दैनिक पंचांग

सूर्योदयः 06:47 ए एम
सूर्यास्तः 05:26 पी एम
तिथिः एकादशी - 10:41 ए एम तक
नक्षत्रः हस्त - 12:36 ए एम, नवम्बर 21 तक
योगः प्रीति - 11:04 पी एम तक
करणः बालव - 10:41 ए एम तक
द्वितीय करणः कौलव - 10:29 पी एम तक
पक्षः कृष्ण पक्ष
वारः रविवार

Digital Edition

हिन्दी दैनिक

झारखण्ड देखो

खबरें, कहानी, लोग और बहुत कुछ

www.jharkhanddekho.com • वर्ष 2022 • अंक 234 • पृष्ठ 8 • दुमका, रविवार 20 नवंबर 2022 • मूल्य 2 रुपये Email - Jharkhanddekho@gmail.com | epaper - Jharkhanddekho.com

UDISE Code- 20110108005, JEPC Code- RTE/20/2021-22
Affiliated By Jharkhand Education Project Council
RGS gurukulam
(An Unit of Shatan Ashram)
Bright Future for your Kids
For More Detail : www.rgsgurukulam.com, Email- gurukulamrgs@gmail.com
Dhadhkia, Dumka, Mob.- 8409399342 (Principal), 7903712653 (Vice Principal)

Opening Shortly IX to X
Class Nursery to VIII
Medium Hindi & English
Admission Open
School Van Facility Available
For More Detail : www.rgsgurukulam.com
Drawing Class | Midday Meal | Computer Class | Yoga Class | Science Lab | Smart Class

संक्षिप्त समाचार

ममता और मोदी की 5 दिसंबर को दिल्ली में बैठक

कोलकाता/एजेंसी। पीएम मोदी के साथ मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की बैठक दिसंबर महीने में हो सकती है। नवान्न सूत्रों की माने तो 5 दिसंबर को दिल्ली में ममता-मोदी की बैठक हो सकती है। बैठक को लेकर बताया जा रहा है कि राज्य के बकाये फंड पर ममता पीएम से चर्चा करेंगी तथा दोबारा फंड देने की अपील करेंगी।

नहीं रहीं एक्ट्रेस तबस्सुम 78 साल की उम्र में निधन

मुंबई/एजेंसी। बॉलीवुड जगत की मशहूर अभिनेत्री तबस्सुम का निधन हो गया है। तबस्सुम 78 साल की थीं। तबस्सुम को शुक्रवार की शाम कार्डियक अरेस्ट हुआ था, जिसकी वजह से उन्होंने दम तोड़ दिया। मां तबस्सुम के निधन के बारे में उनके बेटे होशांग ने बताया कि मां ने पहले ही परिवार को हिदायत दे रखी थी कि उनके जाने की खबर मैं दो दिन बाद दूं। राज कुमार की तरह ही उन्हें रुखसती लेनी थी। अंतिम संस्कार होने के बाद ही मैंने ये खबर मीडिया को बताई है। साल 1947 में तबस्सुम ने बेबी तबस्सुम के नाम से अपने करियर की शुरुआत की थी। वो फेमस चाइल्ड आर्टिस्ट हुआ करती थीं।

बिजनेस

बीएसई सेंसेक्स
61,663.48–87.12 (0.14%)
निफ्टी
18,307.65–36.25 (0.20%)

पीएम मोदी ने जोड़ा काशी और तमिलनाडु का नाता

दुनिया की सबसे प्राचीन भाषा तमिल बेहद लोकप्रियः पीएम मोदी

वाराणसी/एजेंसी।

उत्तर और दक्षिण की संस्कृति को एकाकार करने वाले काशी-तमिल संगमम का शुभारंभ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया। यह समारोह एक माह तक चलेगा। मुख्य आयोजन बीएचयू के एंफीथिएटर मैदान में है। पीएम मोदी काशी तमिल संगमम समारोह में उपस्थित जनसभा को संबोधित कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बीएचयू हेलीपैड से बाबतपुर एयरपोर्ट के लिए रवाना हुए। उनके साथ सीएम योगी और राज्यपाल का हेलीकॉप्टर भी उड़ा।

हमारे पास दुनिया की सबसे प्राचीन भाषा तमिल है। आज

तक ये भाषा उतनी ही लोकप्रिय है। ये हम 130 करोड़ देशवासियों की ज़िम्मेदारी है कि हमें तमिल की इस विरासत को बचाना भी है, उसे समृद्ध भी करना है। हमें अपनी संस्कृति, अध्यात्म का भी विकास करना है।

पीएम मोदी ने कहा कि हमें आजादी के बाद हजारों वर्षों की परंपरा और इस विरासत को मजबूत करना था, इस देश का एकता सूत्र बनाना था, लेकिन दुर्भाग्य से इसके लिए बहुत प्रयास नहीं किए गए। काशी तमिल संगमम इस संकल्प के लिए एक प्लेटफॉर्म बनेगा और राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने के लिए ऊर्जा देगा। पीएम मोदी ने कहा कि काशी और तमिलनाडु का प्राचीन काल से संबंध हैं। इसका प्रमाण काशी की गलियों में मिलेगा। यहां आपको तमिल संस्कृति के मंदिर मिलेंगे। हरिश्चंद्र घाट और केदार घाट पर 200 से ज्यादा वर्ष पुराना मंदिर है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि काशी और तमिलनाडु दोनों ही संस्कृति और सभ्यता के कालातीत केंद्र हैं।

● काशी तमिल संगमम अद्वितीय

उन्होंने कहा कि कहा कि मेरी काशी में पहुंचे सभी अतिथियों का विशेष स्वागत हैं. हमारे देश में संगमों की बड़ा महत्व रहा है. नदियों और धाराओं के संगम से लेकर विचारों-विचारधाराओं, ज्ञान-विज्ञान और समाजों-संस्कृतियों के संगम का हमने जश्न मनाया है. इसलिए काशी तमिल संगमम-अपने आप में विशेष है, अद्वितीय है। पीएम मोदी ने कहा कि एक ओर पूरे भारत को अपने आप में समेटे हमारी सांस्कृतिक राजधानी काशी है, तो दूसरी ओर भारत की प्राचीनता और गौरव का केंद्र हमारा तमिलनाडु और तमिल संस्कृति है. ये संगम भी गंगा यमुना के संगम जितना ही पवित्र है।

● बनारसी साड़ी और कांजीवरम का विशेष महत्व

काशी और तमिल संस्कृति प्राचीन और गौरवपूर्ण है. धार्मिक रूप में दोनों में समानता है. काशी में बाबा विश्वनाथ और तमिल में रामेश-वरम है. एक ही चेतना अलग-अलग रूपों देखने को मिलता है. संगीत, साहित्य में एकरुपता है. बनारसी साड़ी और कांजीवरम का विशेष महत्व है. काशी और तमिलनाडु में कई महान विभूतियों का जन्म हुआ जिन्होंने समाज को दिशा दी. एक देश की यही परंपरा है।

श्रद्धा मर्डर केसः पुलिस के हाथ लगा सीसीटीवी फुटेज

नयी दिल्ली/एजेंसी।

चर्चित श्रद्धा वालकर हत्याकांड में दिल्ली पुलिस को एक सीसीटीवी फुटेज हाथ लगी है. जिससे इस मामले की जांच में सहूलियत मिलने की उम्मीद की जा रही है. पुलिस सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही है। पुलिस के हाथ जो सीसीटीवी फुटेज लगी है, उसमें आरोपी आफताब के हाथ में एक बैग दिख रहा है. ऐसी संभावना व्यक्त की जा रही है कि आफताब श्रद्धा के शव के टुकड़ों को ठिकाना लगाने जा रहा है। सीसीटीवी फुटेज में आरोपी आफताब तीन चक्कर लगाते हुए दिख रहा है. पुलिस को भी शक है कि आफताब बॉडी पार्ट को ठिकाना लगाने जा रहा है।

दिल्ली पुलिस आफताब अमीन पूनावाला को दक्षिणी दिल्ली में विभिन्न स्थानों पर ले जाएगी क्योंकि पुलिस उसकी लिव-इन पार्टनर श्रद्धा वालकर के शव के और हिस्सों का पता लगाना चाहती है. पुलिस ने अब तक शव के 13 हिस्से बरामद किए हैं, जिनमें ज्यादातर हड्डियां हैं. सूत्रों के हवाले से खबर है कि पुलिस ने गुरुग्राम से शरीर के कुछ अंग बरामद किए जिन्हें फोरेंसिक जांच के लिए भेजा जाएगा. पीड़िता का सिर अभी भी नहीं मिला है।

पुलिस ने बताया कि उसने पूनावाला के घर से एक धारदार चीज बरामद की है और इसकी जांच की

जाएगी कि क्या इसका इस्तेमाल वालकर के शव को काटने के लिए किया गया था।

पुलिस ने कहा कि पीड़िता के पिता और भाई के रक्त के नमूने एकत्र किए गए हैं ताकि अब तक बरामद कंकाल के डीएनए से उनका मिलान किया जा सके. गौरतलब है कि आफताब के नार्को टेस्ट को भी अनुमति मिल गयी है. दिल्ली की एक अदालत ने पुलिस को पांच दिनों के भीतर आफताब अमीन पूनावाला का नार्को परीक्षण पूरा करने का निर्देश दिया है।

गौरतलब है कि आफताब पूनावाला ने 18 मई को वालकर (27) को कथित तौर पर गला घोंटकर मार डाला था और उसके शरीर के 35 टुकड़े करके दक्षिण दिल्ली के महरौली स्थित अपने आवास पर लगभग तीन सप्ताह तक 300 लीटर के फ्रिज में रखा और फिर उन्हें आधी रात के बाद शहर में कई जगहों पर फेंकता रहा था. पुलिस सूत्रों ने बताया कि कथित तौर पर आरी महरौली-गुरुग्राम रोड स्थित एक दुकान से खरीदी गई थी।

सत्येंद्र जैन का तिहाड़ जेल वाला वीडियो हुआ लीक

नई दिल्ली/एजेंसी।

दिल्ली की तिहाड़ जेल से कैबिनेट मंत्री सत्येंद्र जैन का वीडियो वायरल होने के बाद कोर्ट ने ईडी को नोटिस जारी किया है, जिसमें वीडियो लीक होने के बारे में जवाब मांगा गया है। वीडियो लीक होने के बाद सत्येंद्र जैन की कानूनी टीम ने प्रवर्तन निदेशालय के खिलाफ अवमानना कार्रवाई की मांग को लेकर विशेष कोर्ट पहुंची थी। जैन की कानूनी टीम का आरोप है कि ईडी ने कोर्ट में दिए गए हलफनामे के बावजूद सीसीटीवी वीडियो लीक किया है। अब इसको लेकर स्पेशल कोर्ट के जज विकास ढुल ने ईडी को नोटिस जारी किया है और मामले की सुनवाई के लिए 21 नवंबर की तारीख तय की।

बीमारी का मजाक उड़ा रही भाजपाः सिसोदिया

नई दिल्ली/एजेंसी।

दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने शनिवार को तिहाड़ जेल में सत्येंद्र जैन के मसाज वाला लीक वीडियो पर पलटवार करते हुए कहा कि भाजपा द्वारा इलाज पर भी सियासत की जा रही है. उन्होंने दावा किया कि भाजपा की ओर से मसाज वाला जो वीडियो लीक किया गया है, दरअसल वह रीढ़ की हड्डी में चोट के चलते उनकी फिजियोथेरेपी चल रही है. मनीष सिसोदिया ने भाजपा पर ओछे हथकंडों का सहारा लेने का आरोप लगाते हुए कहा कि सत्येंद्र जैन जेल में गिर गए थे. बता दें कि सत्येंद्र जैन मनी लॉन्ड्रिंग के एक मामले में न्यायिक हिरासत में जेल में कैद हैं। दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि उनकी रीढ़ की हड्डी में चोट लगी थी और यहां तक कि उनकी दो सर्जरी भी हुईं।

निर्धारित मात्रा से कम अनाज देने का आरोप लगाते हुए ग्रामीणों ने किया सड़क जाम

कम मात्रा में अनाज वितरण करने वाले दुकानदार और बिना सूचना या शिकायत सड़क जाम करने वाले लोगों पर होगी कार्रवाईःसीओ

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। जामा प्रखंड अंतर्गत दुमका फतेहपुर मुख्य मार्ग पर निश्चितपुर गांव के पास निश्चितपुर के ग्रामीणों ने तुलसी स्वयं सहायता समूह के पीडीएस दुकानदार शांति सोरेन के खिलाफ राशन कम देने और दो माह से राशन नहीं देने के आरोप में आज शनिवार को तकरीबन एक घंटे तक सड़क जाम कर दिया। सड़क जाम की सूचना मिलते ही प्रभारी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी सह अंचलाधिकारी आशीष कुमार मंडल सड़क जाम स्थल पर पहुंचे और ग्रामीणों को समझाकर सड़क जाम हटवाया।मौके पर अंचलाधिकारी आशीष कुमार मंडल ने कहा कि जाम ज्यादा देर तक नही चलने दिया गया और एक घण्टे केअंदर जाम हटा कर शिकायतकर्ता को आरोपित दुकानदार के सामने पक्ष रखने को कहा गया और ग्रामीणों की शिकायत पर दुकान की जांच की गई। जांच में सड़क जाम करने वाले लाभुकों की शिकायत को नोट किया गया और जाँच की गई। दुकानदार से जानकारी प्राप्त करने पर पाया गया कि उसमें दुकानदार द्वारा पांच गांव के लाभुकों को राशन दिया जाता है। लेकिन सड़क जाम में केवल निश्चित पुर के ग्रामीण एवं लाभुक शामिल थे।जांच के क्रम में सड़क जाम में शामिल लाभुकों में गिरीश मरांडी, रीता मुर्मू सोनामुनी सोरेन ,सकोदी बास्की आदि लाभुकों का कहना है कि दुकानदार प्रति यूनिट 5 किलोग्राम अनाज के जगह 4:30 किलोग्राम अनाज देता है। जबकि रूपेश कुमार मंडल,कलासीटुडू, सविता मरांडी, लीलमुनि हेम्ब्रम, मनीषा हेम्ब्रम, निशा हांसदा आदि ग्रामीणों ने बताया कि दुकानदार द्वारा निर्धारित मात्रा से कम अनाज दिया जा रहा है जिससे ग्रामीणों में असंतोष व्याप्त है। हालांकि अंचलाधिकारी ने लाभुकों से जब प्रश्न किया कि इसकी शिकायत या जानकारी प्रखंड या उन्हें क्यों नहीं दी गई तो ग्रामीण सही-सही जवाब नहीं दे पाए। कुछ लोगों ने दबी जुबान से मुखिया को इसकी जानकारी देने की बात कही। लेकिन अंचलाधिकारी का कहना है कि जब उन्हें शिकायत या आवेदन दिया जाता है और उस पर कार्रवाई नहीं होती तब सड़क जाम आदि विरोध प्रदर्शन जायज माना जाता,लेकिन बिना शिकायत किए सड़क जाम करना कानूनी रूप से दण्डनीय अपराध है । कई लाभुकों का कहना था कि उन्हें अक्टूबर और नवंबर का राशन नहीं मिला। इस पर अंचलाधिकारी आशीष कुमार मंडल ने कहा कि नवंबर माह का निःशुल्क प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना अनाज देर से आने के कारण गोदाम से दुकानदारों को वितरण किया जा रहा है इसलिए नवंबर माह का राशन जल्द लाभुकों को वितरण किया जाएगा । जबकि अक्टूबर माह के राशन नही मिलने की शिकायत मौके पर किसी लाभुकों ने नही की है। इसलिए जांच में ग्रामीणों का आरोप कम राशन देने की बात सामने आई है और कम राशन देने के आधार पर उक्त दुकानदार एवं स्वंय सहायता समूह पर कार्रवाई करते हुए उन्हें निलंबित किया जाएगा।साथ ही साथ बिना सूचना और बिना शिकायत किए सड़क जाम करने वाले ग्रामीणों के ऊपर भी जामा थाना में कानून अपने हाथ में लेने और बिना पूर्व सूचना सड़क जाम कर यातायत बंद करने के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

नव पदस्थापित थाना प्रभारी का किया स्वागत

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। :दुमका चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज की ओर से शनिवार को नगर थाना दुमका के नव पदस्थापित थाना प्रभारी सह पुलिस निरीक्षक नवल किशोर सिंह का पुष्प गुच्छ एवं मोमेंटो देकर स्वागत किया गया। अवसर पर चेंबर के सदस्यों ने शहर की विधि व्यवस्था से संबंधित समस्याओं से अवगत करते हुए दिन में एवं विशेषकर रात्रि गश्ती बढ़ाए जाने की मांग रखी,तथा सुरक्षा से संबंधित चर्चा की गई। उपस्थित सभी सदस्यों ने पुलिस प्रशासन को हर संभव सहयोग देने की बात कही। थाना प्रभारी ने मिलने गए चेम्बर के प्रतिनिधियों से कहा कि शहर में कोई भी विधि व्यवस्था से संबंधित समस्याएं एवं शिकायत हो तो बेझिझक मुझे इसकी जानकारी दें, उन्होंने इस पर अविलंब कार्रवाई करने का आश्वासन दिया।कहा कि असामाजिक तत्वों को कदापि नहीं बख्शा जाएगा।मौके पर चेम्बर के अध्यक्ष मुस्ताक अली खोकन दा, सचिव मनोज कुमार घोष, संरक्षक संजय भलोटिया, प्रवीण मेहारिया, उपाध्यक्ष अजित दारूका, पवन भलोटिया, सुनील कोठरीवाल, राजीव हेतमपुरीया, आनंद मोदी सहित अन्य व्यवसाई मौजूद थे।

सहियाओं को दिया गया प्रशिक्षण

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रानीश्वर के प्रशाल में शनिवार को कुष्ठ उन्मूलन को लेकर एक कार्यशाला का आयोजन कर सहियाओं की दूसरे चक्र का प्रशिक्षण दिया गया ।कार्यशाला में पांच क्लस्टर की 78 सहियाओ ने भाग लिया। मौके पर जिला कुष्ठ उन्मूलन पदाधिकारी डॉ राजेश बर्मा, प्रखंड कुष्ठ उन्मूलन नडेल अधिकारी डा हर प्रसाद मुखर्जी, पीएमडब्लू अरुण पंडित मौजूद थे।कार्यशाला में सहियाओं को कुष्ठ रोग के लक्षणों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई।साथ ही उस प्रकार के लक्षण पाये जाने पर उन लोगों को जांच हेतु अस्पताल लाने को कहा गया।

रानी लक्ष्मीबाई की जयंती पर एक संकल्प लेने की आवश्कता

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् नगर इकाई द्वारा वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई जयंती पर पारंपारिक शस्त्रों के साथ यात्रा करते हुए उनके संदेशों को समाज के अंदर उजागर किया तथा भारतीय नारियों को सशक्त एवं स्वावलंबी बनाने हेतु अभाविप दुमका के छात्रा कार्यकर्ता द्वारा संचालित किया गया। जिसमें कार्यक्रम को संचालन कर रहे नगर कार्यकारिणी सदस्य सुमन कुमारी ने कहा कि रानी लक्ष्मीबाई की जयंती पर एक संकल्प लेने की आवश्कता है। इस आत्मनिर्भर भारत में सभी नारियों को आत्मनिर्भर होकर सशक्त एवं स्वावलंबी बन कर राष्ट्र की पुनःनिर्माण करना साथ ही उन्होंने कहा कि मैं कितनी भी कोशिश कर लूं यह किस्सा रह जाएगा आधा किस-किस के मैं नाम गिना सांसे कम है लोग ज्यादा ।इस वीर वसुधा धरती ने 2-4 वीरांगना को जन्मी है। यहां तो पग-पग पर नारियों की शौर्य गाथाएं गुंजायमान हैं इसलिए हमे संकल्प लेने की आवश्कता है इस देश और समाज को एक बेहतर मार्ग प्रदान कर पाए।मौके पर उपस्थित प्रदेश सह छात्रा प्रमुख विनीता कुमारी , विभाग छात्रा प्रमुख सोनी कुमारी, स्मृति रानी , नेहा , कशिश , देवांशी , सानिया , स्नेहलता, पूजा , साथ ही विभाग संगठन मंत्री बबन बैठा , प्रदेश जनजातीय कार्य प्रमुख मनोज सोरेन , नगर मंत्री जयंत कुमार, जिला सह संयोजक कृष्णा शील, मिलन कुमारी, खुशी कुमारी, रेणुका कुमारी, अभिषेक गुप्ता , हेमन्त , ऋषु राज आदि कार्यकर्ता उपस्थित थे।

बी डी ओ के नेतृत्व में किसानों के बीच चना बीज का वितरण

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। रानीश्वर प्रखंड विकास पदाधिकारी प्रीतिलता मुर्मू के नेतृत्व में शनिवार को शिविर लगाकर चना बीज का वितरण किया गया।चना बीज का वितरण ब्लॉक चेन माध्यम से शादीपुर पंचायत के तसरकाटा,हकिगतपुर प्रत्यक्षण क्षेत्र के किसानों के बीच किया गया।ज्ञात हो कि बिरसा फसल विस्तार योजना अंतर्गत प्रखंड में 75 क्विंटल चना बीज की आपूर्ति की गई है जिसके तहत सुखजोड़ा,दक्षिणजोल,पाटजोड़ आदि ग्रामों का प्रत्यक्षण हेतु चयन किया गया हैं।इस वितरण कार्यक्रम में प्रखंड विकास पदाधिकारी के अतिरिक्त अंचलाधिकारी अतुल रंजन भगत साथ में प्रखंड कृषि पदाधिकारी प्रदीप कोठरीवाल,प्रखंड तकनीकी प्रबंधक दीपक कुमार,जनसेवक, किसान मित्र तथा संबंधित ग्राम के किसान उपस्थित थे।

डीआरएम ने कोयला डंपिंग यार्ड का किया निरीक्षण

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। आसनसोल रेल डिवीजन के डीआरएम परमानंद शर्मा ने 19 नवंबर को दुमका रेलवे स्टेशन में कोयला डंपिंग यार्ड का निरीक्षण किया. दो माह पूर्व कोयला ढुलाई के लिए इस यार्ड की शुरुआत हुई थी. डंपिंग यार्ड में कोयला कोयला पाकुड़ से सड़क मार्ग के जरिए पहुंचाया जाता है. यहां गुड्स ट्रेन में लोडिंग कर पावर प्लांट भेज दिया जाता है. स्थानीय लोग शुरू से ही डंपिंग यार्ड का विरोध कर रहे हैं. स्थानीय लोगों का आरोप है कि इस यार्ड के कारण आसपास के इलाके में प्रदूषण फैल रहा है. समय-समय पर लोगों ने इसे हटाने के आंदोलन भी किया।डीआरएम ने प्रदूषण के संबंध में पूछे जाने पर कहा कि एयर क्वालिटी मॉनिटर में प्रदूषण की समस्या नहीं दिखी. फिर भी स्थानीय लोगों का ख्याल रखा जा रहा है. आबादी वाले क्षेत्र से वाहन न गुजरे इसके लिए रोड को डायवर्ट किया गया है. समय-समय पर पानी का भी छिड़काव किया जाता है. दुमका वासियों के लिए लंबी दूरी की ट्रेन सुविधा उपलब्ध कराए जाने के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि हर ट्रेन की शुरुआत दुमका से हो यह जरूरी नहीं. फिर भी लंबी दूरी की ट्रेन सुविधा यात्रियों को मिले इसकी कोशिश की जा रही है

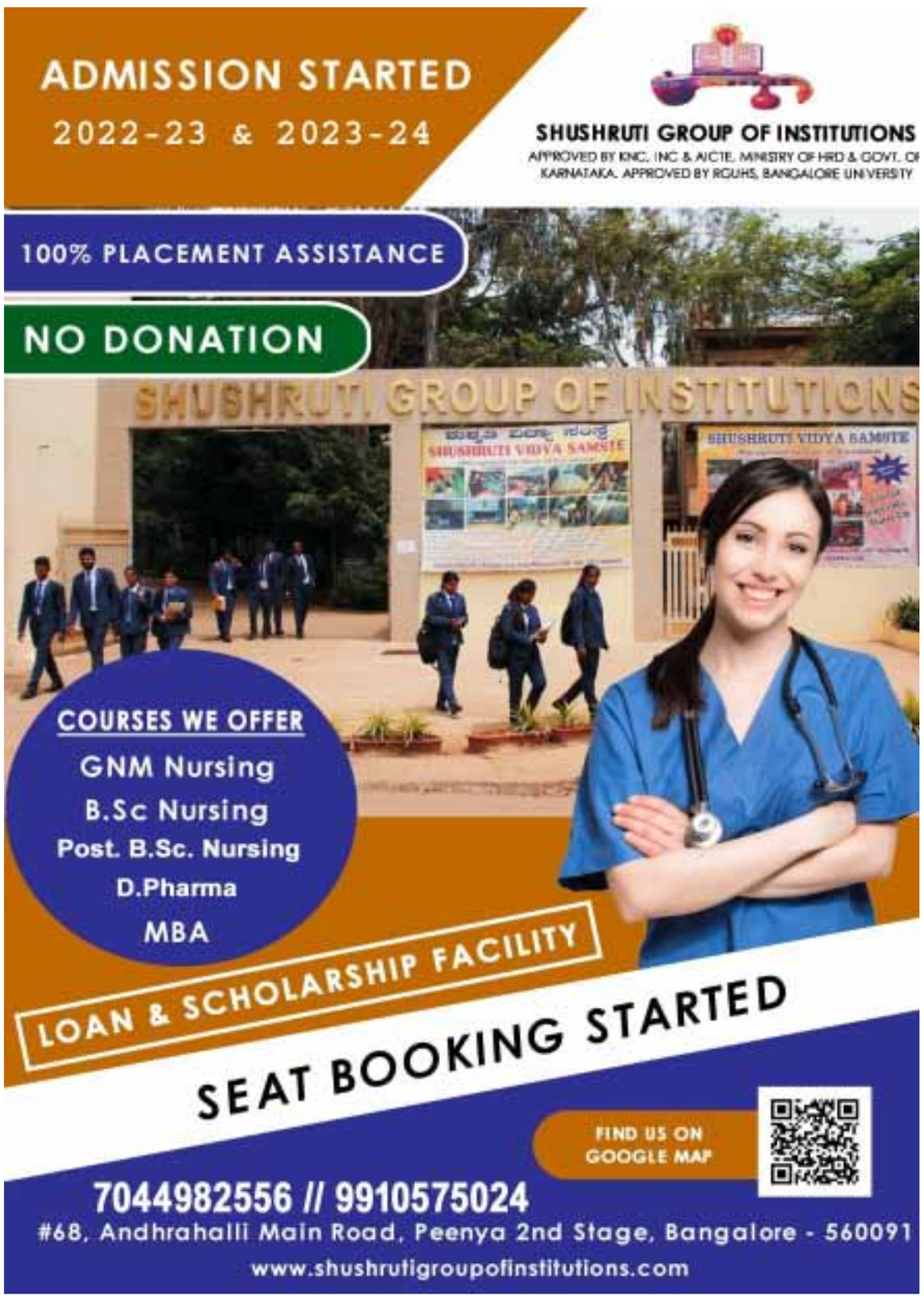

कांग्रेसियों ने धूमधाम से मनाया पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की 105 वी जयंती

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़ । जिला कांग्रेस अध्यक्ष उदय लखमानी के नेतृत्व में देश की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की 105 वीं जयंती पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पाकुड़ इंदिरा चौक स्थित इंदिरा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। जिला अध्यक्ष उदय लखमानी ने इंदिरा गांधी की जयंती पर उन्हें सादर नमन करते हुए कहा कि इंदिरा गांधी देश की प्रथम एवं वर्तमान तक देश की एकमात्र महिला प्रधानमंत्री हुई। 1966 से 1977 के बीच तीन बार देश की प्रधानमंत्री बनी और उसके बाद 1980 में पुनः देश की प्रधानमंत्री बनी। इंदिरा गांधी के साहसिक निर्णयों ने भारत का नाम विश्व भर मे ऊँचा किया। 19 जुलाई 1969 को 14 बड़े बैंकों का राष्ट्रीयकरण किया। 1971 में पाकिस्तान से बांग्लादेश को मुक्त कराया। 1972 मे उन्हे ₹भारत रत्न₹ से सम्मानित किया गया। 18 मई 1974 को राजस्थान के पोखरण में पहला परमाणु परीक्षण कर पूरी दुनिया को अचंभित कर दिया और विश्व को बताया कि भारत भी एक परमाणु शक्ति संपन्न राष्ट्र है। 1975 मे सिक्किम को भारत में विलय कराया। 1984 में ₹ऑपरेशन मेघदूत₹ के तहत सियाचिन पर कब्जा किया। इंदिरा गांधी के साहसिक निर्णयों की वजह से उन्हें ₹आयरन लेडी₹ का नाम दिया गया। मौके पर जिला उपाध्यक्ष गुलाम अहमद, अनुप सिन्हा विश्वास,जिला महासचिव अवधेश झा, कुमार सरकार, जिला सचिव कृष्णा यादव, असलम अंसारी विवेक गोस्वामी प्रखण्ड अध्यक्ष मंसारूल हक, ची×फ इनरोलर सोनु आलम,,हिरणपुर प्रखण्ड अध्यक्ष मनव्वर आलम,, इनरोलर मोफिज अंसारी समिनुल इस्लाम, प्रखण्ड सचिव रामविलास महतो, ,युवा नेता बेलाल शेख, हिरणपुर प्रखंड अध्यक्ष कालू हाजीकुल आलम सोरेन रसका हेंब्रम मुसलोद्दीन,, अब्दुल बशीर, सेराज, रजिकुल, सफ़िकुल शेख, जहरुल इस्लाम, मनीरामपुर उप मुखिया सदीउर रहमान, मिथुन मरांडी, नाजु शेख, मिस्बाहुल शेख, आदि मौजूद थे।

वही पाकुड़िया प्रखंड में पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की 105 वीं जयंती पर प्रखंड कांग्रेस कार्यालय में फोटो पर माल्यार्पण एवं श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया है। उक्त कार्यक्रम में पाकुड़िया प्रखंड अध्यक्ष मोहम्मद इस्लाम के नेतृत्व में पूर्व प्रधानमंत्री इद्रां गाधीं के फोटो पर माल्यार्पण किया गया मोके पर वरिष्ठ कांग्रेसी महेशपुर विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी देवीलाल मुर्मू युवा नेता दाऊद मरांण्डी, मीडिया प्रभारी कमाल अंसारी, स्टीफन मरांण्डी, अकबर शेख, मेनुद्दीन अंसारी, आस्मुहामद मियां आदि मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

पाकुड़िया प्रखंड में किया गया रोजगार मेला का आयोजन

पाकुड़ । **(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)** । पाकुड़िया प्रखंड मुख्यालय प्रांगण में झारखंड सरकार की ओर से शनिवार को नौकरी पाने के सुनहरे अवसर को लेकर रोजगार मेला का आयोजन किया गया। उपराजधानी दुमका के अमडा गांव में एस जी आर एस प्रशिक्षण केन्द्र में 18 से 35 वर्ष के कम से कम आठवीं पास एवं उच्च योग्यता रख रहे शिक्षित युवक एवं युवतियों को मुफ्त में प्रशिक्षण दिया जाएगा। रोजगार मेला संचालक संतोष कुमार एवं जितेंद्र कुमार ने बताया कि पाकुड़िया प्रखंड से कुल 50 आवेदन प्राप्त हुए हैं। प्रशिक्षण केन्द्र में सरकार के द्वारा प्रशिक्षण लेने वाले युवक एवं युवतियों को खाने पीने, रहने एवं प्रशिक्षण में उपयोग आने वाले सभी सामान की सारी सुविधाएं निःशुल्क दी जायेगी। इन्हें अलग अलग कोर्स के लिए तीन महीने का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

चार माह का राशन नहीं मिलने पर लाभुकों ने बीडीओ से की शिकायत

पाकुड़ । **(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)** । पाकुड़िया प्रखंड अंतर्गत बड़तल्ला गांव के दर्जनों राशनकार्ड धारी शनिवार को प्रखंड कार्यालय पहुंचकर चार माह का राशन नही मिलने की शिकायत प्रखंड विकास कार्यालय में की है। इस बाबत लाभुक मारांग कुड़ी बेसरा, मीरू मुर्मू, फुलमुनि टुडू, चार्लस किस्कू, सालोनी मुर्मू, सुनी मुर्मू, रासमुनी बास्की, अनिता मरांडी आदि ने बीडीओ को लिखित शिकायत में बताया कि जनवितरण प्रणाली दुकानदार चमेली स्वयं सहायता समूह द्वारा राशन वितरण में लगातार मनमानी की जा रही है। अगस्त 2022 का फ्री का राशन के साथ सितम्बर, अक्टूबर एवं नवंबर माह का राशन कार्डधारियों के बीच वितरण नही की गई है, चार माह से राशन नही मिलने के कारण लाभुको के बीच भुखमरी की स्थिति उत्पन्न हो गई है । उक्त डीलर की मनमानी को देखते हुए लाभुको ने चार माह का लंबित राशन अविलंब वितरण करने एवं उक्त डीलर को सेवा मुक्त कर नजदीक के नया डीलर की बहाली की मांग की है।

सीएचसी में 11 महिलाओं का किया गया सफल बंध्याकरण

पाकुड़ । **(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)** । पाकुड़िया प्रखंड मुख्यालय स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में सरकार की महत्वाकांक्षी परिवार नियोजन कार्यक्रम के तहत महिलाओं का निःशुल्क बंध्याकरण ऑपरेशन चिकित्सक डॉ पंकज कुमार की अगुवाई में शनिवार को किया गया। इस दौरान प्रखंड के सुदूरवर्ती गांवो से पहुंची कुल 11 महिलाओं का बंध्याकरण ऑपरेशन किया गया। इसके तुरंत बाद ही महिलाओं को सभी जरूरी दवा एवं अन्य सामग्री का भी मुफ्त बितरण किया गया। मौके पर ही सभी लाभार्थियों को उनके खाते में दो हजार रुपये और उत्प्रेरकों को तीन तीन सौ रुपया करके सभी के संबंधित खातों में हस्तांतरित किया गया। मौके पर डॉ एएच मंजर सहित एएनएम, मेरी बास्की सहित अन्य स्वास्थ्यकर्मी मौजूद थे। चिकित्सक डॉ कुमार ने बताया कि यहां नियमित रूप से बंध्याकरण किया जाता है। डॉ कुमार ने सभी जरूरतमंदों को इसका लाभ उठाने की अपील की है। मौके पर डॉ गंगाशंकर साह सहित अन्य चिकित्सक उपस्थित थे।

अमड़ापाड़ा प्रखंड क्षेत्र के सभी बूथों पर विशेष कैंप का आयोजन

पाकुड़ । **(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)** । अमड़ापाड़ा मतदाता पुनरीक्षण कार्यक्रम को लेकर 04 लिट्टीपाड़ा विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत अमड़ापाड़ा प्रखंड क्षेत्र के सभी बूथों पर विशेष कैम्प का आयोजन किया गया।जिले में चल रहे विशेष मतदाता पुनरीक्षण कार्यक्रम को लेकर अमड़ापाड़ा प्रखंड अंतर्गत सभी मतदान केंद्रों में विशेष कैम्प का आयोजन किया गया।

विशेष कैम्प के दौरान मतदान केंद्रों पर उपस्थित रहकर बीएलओ द्वारा 18 वर्ष पूर्ण करने वाले नए मतदाताओ के लिये फॉर्म 6 तथा मृत तथा स्थानांतरित मतदाताओ के लिए फॉर्म 7 एवं जिनका नाम या अन्य मे सुधार करना हो उसे फॉर्म 8 भरने का कार्य किया जा रहा है।

पाकुड़ पॉलीटेक्निक के छात्रों का फरक्का ब्रिज में शैक्षणिक भ्रमण

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़ । पॉलिटेक्निक हमेशा से अपने छात्रों को एक अलग पहचान देने की कोशिश करता रहा है। किताबी ज्ञान के साथ व्यावहारिक ज्ञान भी संस्थान के लिए प्राथमिकता का विषय है। संस्थान द्वारा नियत समयांतराल पर अपने छात्रों को विभिन्न प्रतिष्ठित कंपनियों में शैक्षणिक भ्रमण के लिए भेजा जाता है। शनिवार को पाकुड़ पॉलिटेक्निक के इंजीनियरिंग शाखा के लगभग 30 छात्रों को शैक्षणिक भ्रमण पर भेजा गया। फरक्का ब्रिज के द्वारा एक प्रशिक्षक उपलब्ध कराया गया था जिन्होंने छात्रों को सभी प्रक्रियाओं की विस्तृत जानकारी दी। छात्रों ने farakkah barrage, control room of FBP, Feeder Canal, Navigation Lock Gate के भागों में भ्रमण किया, इस दौरान FBP के कनिष्ठ अभियंता ने छात्रों को विस्तृत जानकारी दिया। भ्रमण में गए छात्र काफी उत्साहित थे और छात्रों को बधाई देते हुए संस्थान के निदेशक अभिजीत कुमार ने कहा कि इस प्रकार की गतिविधियां आगे भी लगातार होती रहेंगी।

जदयू पार्टी संगठन का चुनाव आज

पाकुड़ । **(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)** । झारखंड प्रदेश जनता दल यूनाइटेड की सांगठनिक चुनाव वर्ष 2020-2025 पाकुड़ जिला लड्डू बागान में लड्डू बागान में जिला निर्वाचन पदाधिकारी जिला पर्यवेक्षक के समक्ष पार्टी समर्पित कार्यकर्तागण एवं क्रियाशील के मेंबर सदस्य की उपस्थिति में किया जाएगा। जिसमें आप सभी कार्यकर्ता गण सदस्यगण सभी मीडिया बंधु आप सब सादर आमंत्रित हैं। उक्त जानकारी जनता दल यू के जिलाध्यक्ष गौतम मंडल ने पत्रकारों को दी।

प्राथमिकी अभियुक्त गिरफ्तार

हिरणपुर(पाकुड़) । **(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)** । हिरणपुर थाना कांड संख्या 142/22 धारा-376, 323, 506 भादवी के प्राथमिकी अभियुक्त सुनिराम टुडु पिता-चुनका टुडु ग्राम-करणपुरा थाना-हिरणपुर ज़िला- पाकुड़ को विधिवत गिरफ़्तार कर न्यायालय में उपस्थापन हेतु भेजा जा रहा है।

रोजगार सेवक के क्रेडिट कार्ड से साइबर अपराधी ने किया 62921 अवैध निकासी

लिट्टीपाड़ा(पाकुड़) । **(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)** । लिट्टीपाड़ा प्रखंड के एक रोजगार सेवक का क्रेडिट कार्ड से साइबर अपराधियो ने 62921 रुपये अवैध निकासी कर लिया। रोजगार सेवक ने मंगलवार को लिट्टीपाड़ा थाना में अज्ञात साइबर अपराधी के खिलाप प्राथमिकी दर्ज करवाया है। सोमवार को रोजगार सेवक लालू रजक के मोबाइल पर फोन आया कि मैं बैंक से बोल रहा हूं, आपका क्रेडिट कार्ड का समय खत्म हो गया है उसे बंद करना है। इसके लिए आपके मोबाइल पर एक लिंक भेज रहा हूँ उसे क्लिक करे। लालू रजक कार्य में व्यस्त था। उसे समझ में नही आया और जैसे ही लिंक को टच करते ही पांच मिनट के अंतराल में उसके क्रेडिट कार्ड से 62921 रुपया निकासी का मैसेज मोबाइल पर आया। मेसेज देखकर लालू के होश उड़ गया। आनन फानन में भारतीय स्टेट बैंक साहेबगंज पहुँचा और लिखित शिकयत दर्ज करवाया। बैंक के शाखा प्रबंधक ने कहा क्रेडिट कार्ड से राशि निकासी हुई है जो वापस हो भी सकता है और नही भी हो सकता है। थाना प्रभारी सन्तोष कुमार ने बताया लालू रजक ने प्राथमिकी दर्ज किया है उसकी जांच की जा रही है।

एक विशेषज्ञ साहित्यिक व्यक्तित्व थे कैरव जी : शिवकुमार

गोड्डा। स्वतन्त्रता प्राप्ति के पश्चात गोड्डा के प्रथम विधायक, महान स्वतंत्रता सेनानी, समाजसेवी एवं विशेषज्ञ साहित्यकार पंडित बुद्धिनाथ झा 'कैरव' की जयंती पर स्थानीय विद्यापति भवन में एक कार्यक्रम का आयोजन कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। शुक्रवार शाम विद्यापति सांस्कृतिक परिषद के द्वारा आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता परिषदंक अध्यक्ष परमानंद चौधरी ने तथा संचालन सुरजीत झा ने किया। वक्ताओं में साहित्यकार शिव कुमार भगत ने जहाँ कैरव जी के स्वतन्त्रता संग्राम में अहम भूमिका के अलावा उनके साहित्यिक एवं शैक्षणिक व सामाजिक अवदान की चर्चा करते हुए उन्हें एक विशेषज्ञ साहित्यिक व्यक्तित्व बताया वहीं सर्वजीत झा, हेमकांत ठाकुर, ज्ञानेंद्र मिश्रा, पवन कुमार झा, सौरभ परासर उर्फ बच्चू झा एवं अपने अध्यक्षीय संबोधन में परमानंद चौधरी ने स्व. कैरव जी को संत राजनीतिज्ञ की संज्ञा देते हुए उनके विराट व्यक्तित्व एवं अद्वितीय कृतित्व पर विस्तार से प्रकाश डाला।

चना बीज वितरण कार्यक्रम का किया गया आयोजन

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़ । शनिवार को बिरसा फसल विस्तार योजना अंतर्गत शत प्रतिशत अनुदान पर महेशपूर प्रखंड के बड़कियारी पंचायत भवन में ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी में पंजीकृत 110 किसानों के बीच 10-10 किलोग्राम चना बीज वितरण किया गया। बीज वितरण कार्यक्रम में प्रखंड विकास पदाधिकारी महेशपुर उमेश कुमार मंडल, प्रखंड कृषि पदाधिकारी महेशपुर, अब्दुल बाहाब अंसारी, प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी महेशपुर, बीस सूत्री अध्यक्ष-सह- विधायक प्रतिनिधि अब्दुल बदूद, उप प्रमुख, सहायक तकनीकी प्रबंधक शांतनु कुमार शील एवं अभिजीत कुमार शील तथा मुखिया जोगेश्वर मुर्मू उपस्थित थे।

24 नवंबर को पाकुड़ में भाजपा करेंगी भव्य आक्रोश प्रदर्शनः अमृत पांडे

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़ । भारतीय जनता पार्टी के पाकुड़ नगर अध्यक्ष पंकज कुमार साह की अध्यक्षता और जिला अध्यक्ष अमृत पांडे की उपस्थिति में नगर की बैठक पाकुड़ जिला कार्यालय में कल देर शाम संपन्न हुई। इस बैठक में आगामी 24 नवंबर को पाकुड़ में होने वाली जिला स्तरीय आक्रोश प्रदर्शन के बारे में गहन चर्चा की गई।जिला अध्यक्ष अमृत पांडे ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश अध्यक्ष व राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश के आ''ान पर 24 नवंबर को पाकुड़ जिले में भव्य आक्रोश प्रदर्शन होगा और भ्रष्ट हेमंत सोरेन सरकार को उखाड़ फेंकने के संकल्प के साथ सभी कार्यकर्ता जनभागीदारी के साथ इस कार्यक्रम में शामिल होंगे। भय भूख और भ्रष्टाचार के विरुद्ध इस लड़ाई में पाकुड़ जिला अपनी दमदार उपस्थिति दर्ज करेगी और हजारों कार्यकर्ता सड़कों पर उतर कर भ्रष्ट हेमंत सोरेन सरकार का लोकतांत्रिक तरीके से पुरजोर विरोध करेंगे। नगर अध्यक्ष पंकज साह ने कहा कि पाकुड़ के सभी 39 बूथों के कार्यकर्ता एक रणनीति के तहत इस कार्यक्रम का संचालन करेंगे। बूथों के कार्यक्रमों की रचना की गई है. सभी कार्यकर्ताओं को निर्देश दिया गया है कि इस आक्रोश प्रदर्शन में पाकुड़ नगर के सभी वार्डों और सभी बूथों से कार्यकर्ता शामिल होंगे। पूर्व जिला अध्यक्ष बलराम दुबे ने कहा कि कि राज्य में भ्रष्टाचार चरम पर है. हेमंत सोरेन सरकार को जब तक सत्ता से हटाया नहीं जाएगा तब तक इस राज्य का विकास नहीं हो सकता है. सभी कार्यकर्ता इस कार्यक्रम को सफल बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इस बैठक में प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य मीरा प्रवीण सिंह, पूर्व जिला अध्यक्ष विवेक तिवारी, किसान मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य शबरी पाल, जिला मंत्री पार्वती देवी, नगर उपाध्यक्ष पिंका पटेल, नगर मंत्री मोहन सरकार, युवा मोर्चा जिला कोषाध्यक्ष जीतू सिंह, किसान मोर्चा नगर अध्यक्ष कुंदन सिंह, अजा मोर्चा नगर अध्यक्ष गणेश रजक, वरिष्ठ नेता विश्वनाथ भगत, युवा मोर्चा नगर अध्यक्ष रतन भगत, ओबीसी मोर्चा नगर अध्यक्ष अभिक दास सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित हुए. कार्यक्रम का संचालन नगर महामंत्री पार्थ रक्षित ने किया।

15वें वित्त आयोग, सर्वजन पेंशन योजना व अन्य योजनाओं की समीक्षात्मक बैठक

(झारखण्ड देखो,प्रतिनिधि)

पाकुड़ । जिले के अमड़ापाड़ा प्रखंड सभागार में प्रखंड विकास पदाधिकारी कुमार देवेश द्विवेदी की अध्यक्षता में मनरेगा, पीएम आवास योजना, आपकी योजना-आपकी सरकार आपके द्वार ,15वें वित्त आयोग, सर्वजन पेंशन योजना व अन्य योजनाओं की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई।पीएम आवास योजना एवं बाबा साहब भीमराव अंबेडकर आवास योजना के तहत लंबित आवासों को शीघ्र पूर्ण करें तथा लाभुकों को लाभान्वित करना सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना/पीएम प्लस योजना/अंबेडकर आवास योजना की समीक्षा के क्रम प्रखंड विकास पदाधिकारी द्वारा सभी पंचायत सचिव को लंबित आवासों को शीघ्र पूरा करने का निदेश दिया गया।

मनरेगा अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा

समीक्षा के क्रम में प्रखंड विकास पदाधिकारी ने मनरेगा के अंतर्गत संचालित सभी योजनाओं यथा बिरसा हरित ग्राम योजना, दीदी बाड़ी योजना, नीलाम्बर-पीताम्बर जल समृद्धि योजना की योजनावार समीक्षा की। बैठक के दौरान डोभा, तालाब, कुंआ, आदि को लक्ष्य के अनुरूप कार्य करते हुए शत-प्रतिशत पुरानी योजनाओ को पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। प्रखंड विकास पदाधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया कि संवेदनशील होकर लोगों को कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने हेतु प्रयास किये जाने चाहिए। साथ ही एरिया ऑफिसर एप्प के माध्यम से निरन्तर क्षेत्र का भ्रमण करते हुए योजनाओ की जांच करे एवं एनएमएमएस के माध्यम से मजदूरों की उपस्थिति दर्ज नियमित रुप से करने का निर्देश दिया गया।

उन्होंने कहा कि हर स्तर से ग्रामीणों को योजनाओं से जोड़ने के प्रयास होने चाहिए।15 वें वित्त की समीक्षा के क्रम में प्रखंड विकास पदाधिकारी द्वारा निदेशित किया गया कि राशि से गांवों में करें मुलभूत सुविधाओं को विकसित राशि का सही उपयोग हो ,धरातल पर योजनाओं का क्रियान्वयन दिखने के साथ लंबित योजनाओं को ससमय पूर्ण करने का दिया निर्देश। प्रखंड समन्वयक एवं प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी को योजनाओं के निरीक्षण कर निरीक्षण प्रतिवेदन जमा करने का दिया गया निदेश।

सर्वजन पेंशन के कार्य में तेजी लाएं इसके अतिरिक्त प्रखंड विकास पदाधिकारी ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के तहत पंचायतवार समीक्षा करते हुए संबंधित पंचायत सचिव को निर्देशित किया कि सप्ताह के अंदर बचे हुए आवेदनों को पूर्ण करें। साथ ही सभी पात्र लाभुकों को पेंशन का भुगतान ससमय करना सुनिश्चित करें। बैठक में उपरोक्त के अलावा प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी, मनरेगा अजय कुमार गुप्ता, सहायक अभियंता सुनील कुमार, प्रखंड समन्वयक,पंचायत राज स्वशासन परिषद आनंद प्रकाश, कनीय अभियंता जयराज कुमार दास,श्री सोहैल शेख,सभी पंचायत के पंचायत सचिव, ग्राम रोजगार सेवक व अन्य उपस्थित थे।

योजनाओं का चयन कर अविलम्ब कार्यालय में जमा करने का दिया निदेश

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। पंचायत समिति, दुमका प्रखण्ड की अध्यक्षता में प्रखण्ड सभागार, दुमका में आयोजित की गयी । उक्त बैठक में पंचायत समिति, दुमका प्रखण्ड के उप प्रमुख, सदस्यों तथा प्रखण्ड के विभिन्न पदाधिकारी एवं कर्मियों ने भाग लिया। बैठक में प्रखण्ड विकास पदाधिकारी - सह-सचिव पंचायत समिति, दुमका सदर द्वारा उपस्थित पंचायत समिति के सभी सदस्यों को निदेश दिया गया कि 15वीं वित्त योजनान्तर्गत पंचायत समिति मद में प्राप्त आवंटन के व्यय हेतु अपने-अपने पंचायतों से पूर्व में पोर्टल में दर्ज योजनाओं में से योजनाओं का चयन कर अविलम्ब कार्यालय में जमा करने का निदेश दिया गया, ताकि प्राप्त आवंटन का व्यय अविलम्ब किया जा सके। बैठक में यह भी चर्चा किया गया कि वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए पोर्टल खुलने पर योजनाओं को इन्ट्री करने हेतु सभी पंचायतों से योजना का चयन कर सूची कार्यालय में अविलम्ब जमा किया जाय, ताकि पोर्टल खोलने के साथ ही योजनाओं की प्रविष्टि की जा सके। दिनांक 03.09.2022 को गठित आठ समिति- सामान्य प्रशासन समिति, कृषि एवं उद्योग समिति, स्वास्थ्य और शिक्षा समिति, वित्त, अंकेक्षण तथा योजना एवं विकास समिति, सहकारिता समिति, महिला, शिशु एवं समाजिक कल्याण समिति, वन एवं पर्यावरण समिति तथा संचार और संकर्म समिति का अनुमोदन आज सर्वसम्मति से पारित किया गया । साथ में पंचायत समिति के सदस्य के रूप प्रखण्ड के पांच पंचायत राजबाँध, कैराबनी, आसनसोल, दरबारपुर और रानीबहाल के - मुखिया के चयन एक वर्ष के लिए लॉटरी के माध्यम से किया गया बैठक में प्रखण्ड विकास पदाधिकारी तथा सदर प्रखण्ड के चिकित्सक डॉ० मकसुद के द्वारा 01 दिसम्बर 2022 से 15 दिसम्बर 2022 तक चलने वाले आई०डी०ए० कार्यक्रम के बारे में उपस्थित सभी सदस्यों को जानकारी दिया गया, जिसके तहत सभी पंचायतों में फाइलेरिया नामक रोग को नियंत्रित करने हेतु दवा खिलाया जाना

बैठक में प्रखण्ड के चिकित्सा पदाधिकारी, डॉ मकसुद, प्रखण्ड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी, दुमका, बाल विकास परियोजना पदाधिकारी के महिला पर्यवेक्षिका के साथ-साथ प्रखण्ड स्तरीय विभिन्न पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

उद्योगपतियों के प्रश्नों पर आवश्यक विस्तृत परिचर्चा

दुमका./झारखंड देखो/प्रतिनिधि। श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग, झारखण्ड, द्वारा स्थानीय नियोजन अधिनियम 2021 एवं नियमावली 2022 के कार्यान्वयन हेतु निशिकान्त मिश्र, सहायक निदेशक (नियोजन) अवर प्रादेशिक नियोजनालय, दुमका की अध्यक्षता स्थानीय चेम्बर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष, सचिव एवं सभी सदस्य के साथ-साथ स्थानीय उद्योग भागीदारों के साथ अवर प्रादेशिक नियोजनालय दुमका कार्यालय में बैठक की गयी जिसमें नियोजन नियमावली की विस्तृत जानकारी एवं बारी-बारी से सभी उद्योगपतियों के प्रश्नों पर आवश्यक विस्तृत परिचर्चा की गई ।उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार द्वारा स्थानीय लोगों के नियोजन हेतु अधिनियम पारित होने के उपरान्त तय समय सीमा में ऐसे सभी उद्योग जहाँ 10 (दस) से ज्यादा लोग नियोजित/कार्यरत हैं उन्हें अवर प्रादेशिक नियोजनालय में निबंधन कराना अनिवार्य है । इसमें कुल 14 (चौदह) नियोजकों ने भाग लिया ।

सिविल सोसायटी के सदस्यों ने लक्ष्मीबाई को किया नमन

दुमका./झारखंड देखो/प्रतिनिधि। सरदार पटेल चौक में महान वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई के ₹अवतरण दिवस₹ पर समाजसेवी संदीप कुमार जय बमबम के नेतृत्व में उनके तैल्यचित्र पर माल्यार्पण व श्रद्धासुमन अर्पण का कार्यक्रम आयोजित किया गया ।उक्त पावन अवसर पर भारी संख्या में महिलाओं ने श्रद्धासुमन अर्पित किया।

साथ ही मुख्य रूप से सिविल सोसायटी दुमका के अध्यक्ष राधेश्याम वर्मा,सना परवीन,अन्नुप्रिया,बेबी देवी,रूबी केसरी,स्वेता कुमारी,ओसमा खातुन,सवाना खातुन, शीला मुर्मू,सहेंद्र राम,अथर्व मिश्रा,विक्रम कुमार,फरीद खान,विपुल कुमार,लक्ष्मण यादव आदि उपस्थित होकर श्रद्धासुमन अर्पित किया और अदम्य साहस की प्रतिमूर्ति रानी लक्ष्मीबाई जी के जीवन वृत्त पर वक्तव्य तथा कविता प्रस्तुत कर प्रकाश डाला।

एस पी कॉलेज के रसायन शास्त्र विभाग द्वारा मेडिकेटेड साबुन का निर्माण

दुमका./झारखंड देखो/प्रतिनिधि। एस पी कॉलेज के रसायन शास्त्र विभाग द्वारा छात्र/छात्राओं को मेडिकेटेड साबुन बनाने की विधि बताई गयी। सेमेस्टर 4 के विद्यार्थियों के द्वारा नीम युक्त मेडिकेटेड साबुन बनाया गया। विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ वेद प्रकाश सहाय के निर्देशन में तथा विभाग के शिक्षक डॉ कुमार सौरभ के नेतृत्व में विद्यार्थियों द्वारा साबुन का निर्माण किया गया। यह एक एंटीसेप्टिक साबुन है जिसका उपयोग त्वचा संबंधी बीमारियों में किया जा सकता है। डॉ कुमार सौरभ द्वारा महाविद्यालय प्राचार्य डॉ खिरोधर प्रसाद यादव को सैम्पल के रूप में साबुन को भेंट स्वरूप दिया गया। प्राचार्य डॉ यादव ने विद्यार्थियों के इस प्रायोगिक ज्ञान की प्रशंसा करते हुए विभाग की भूरी भूरी तारीफ की। साथ ही भविष्य में इसी प्रकार के नए परीक्षण करने की इच्छा ज़ाहिर की।

ट्रांसफार्मर चोरी करते एक चोर को ग्रामीणों ने रंगेहाथों दबोचा

चोर की निशानदेही पर दो अन्य चोरों को पुलिस ने दबोचकर तीनों को न्यायिक हिरासत में भेजा जेल

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। शिकारीपाड़ा थाना क्षेत्र के जबरदाहा गांव में ग्रामीणों ने विधुत ट्रांसफार्मर चोरी करते एक चोर को रंगेहाथों पकड़ लिया।ग्रामीणों की सजगता से शुक्रवार की रात ट्रांसफार्मर चोरी करने का प्रयास करते हुए एक चोर को घटनास्थल पर पकड़ लिया गया तथा चोर की निशानदेही पर शिकारीपाड़ा पुलिस ने चोरी में संलिप्त दो अन्य लोगों को पकड़ने में सफलता हासिल की है।पकड़े गए तीनों चोरों को शनिवार की देर शाम न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी संजय सुमन के अनुसार शुक्रवार की रात तीन व्यक्ति जबरदाहा गांव में बिजली का ट्रांसफार्मर चोरी करने का प्रयास कर रहे थे।आवाज सुनकर ग्रामीण जग गए और चोरों को पकड़ने के लिए दौड़े।उसमें से एक ग्रामीण को चोरों ने लोहे के रांड से मा-रकर घायल कर दिया।इस क्रम में एक चोर कलीम अंसारी तकरारपुर थाना मुफस्सिल दुमका घटनास्थल पर ही ग्रामीणों द्वारा पकड़ लिया गया। सूचना पाकर शिकारीपाड़ा पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और कलीम अंसारी के निशानदेही पर घर भागते महमूद हुसैन उर्फ कैल्लू ग्राम आस्थाजोड़ा एवं करीम अंसारी ग्राम तकरारपुर थाना मुफस्सिल दुमका को पुलिस ने पकड़ लिया। इन लोगों द्वारा मुफस्सिल थाना दुमका,काठीकुंड एवं शिकारीपाड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत बिजली ट्रांसफार्मर का क्वायल चोरी करने का कार्य पूर्व में भी किया जाता रहा है।लोगों की निशानदेही पर कई जगहों से सामग्री भी जप्त की गई है। फिलहाल तीनों के विरुद्ध जबरदस्त गांव के अर्जुन हसदा के बयान पर मामला दर्ज करते हुए जेल भेजा जा रहा है।

नए छात्रों के लिए फ्रेशर्स प्रोग्राम का आयोजन

दुमका./झारखंड देखो/प्रतिनिधि। संत जेवियर्स कांलेज महारो के इनिगो सभागार में आज शनिवार को छात्र परिषद की ओर से सत्र 2022 के नए छात्रों के लिए फ्रेशर्स प्रोग्राम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत प्रबंधन और संकाय के प्रतिष्ठित सदस्यों एवं फादर डेविड राज ने दीप प्रज्वलित कर किया। फादर डेविड ने स्वागत भाषण दिया। उन्होंने उज्ज्वल भविष्य एवं कार्यक्रम के लिए छात्रों को आशीर्वाद दिया और फ्रेशर्स का पारंपरिक तर-ीके से औपचारिक स्वागत किया गया। इस दौरान छात्र-छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में कालेज के फैकल्टी मेंबर्स और तीनों वर्षों के छात्र-छात्राओं ने भी भाग लिया। कालेज कैप्टन आनंद हांसदा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस मौके पर कालेज के सभी प्राध्यापक एवं छात्र छात्रा शामिल हुए।

अपराधियों ने दिनदहाड़े घर में घुसकर लाठी-डंडे से पुलिस जवान पर किया प्रहार

दुमका./झारखंड देखो/प्रतिनिधि। असमाजिक तत्वों ने दुमका पुलिस लाइन स्थित क्वार्टर में दिनदहाड़े घुसकर एक पुलिस जवान रंजीत कुमार पांडेय को लाठी-डंडे से प्रहार कर घायल कर दिया. आनन-फानन में उन्हें फूलो झानो मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में भर्ती किया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है. पुलिस लाइन के समीप 17 नवंबर को कुछ लड़के एक टोटो वाले से किराया को लेकर गाली गलौज कर रहे थे. उसी समय रंजीत कुमार पांडेय वहां पहुंचे और लड़कों को समझाने का प्रयास किया. लड़के रंजीत पांडेय से बहस करने लगे. 19 नवंबर को उन लड़कों ने लाठी-डंडे से लैस 30 से 40 की संख्या में अपराधियों को को लेकर पुलिस लाइन पहुंचकर रंजीत पांडेय का दरवाजा खटखटाया. दरवाजा खोलते ही अपराधियों ने लाठी-डंडे से प्रहार कर जवान को घायल कर भाग गए. सूचना पाकर नगर थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची तथा घायल रंजीत को फूलो झानो मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया.

किसी का एएनसी छूट जाता है तो छुटे लोगों की सूची तैयार करें: उपायुक्त

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। समाहरणालय सभागार में उपायुक्त की अध्यक्षता में स्वास्थ्य विभाग की बैठक आयोजित की गई।बैठक में पूर्व में दिए गए निर्देश के अनुपालन की समीक्षा की गई। इस दौरान पीपीटी के माध्यम से प्रखंडवार किए जा रहे कार्यों के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी गई।बैठक में उपायुक्त ने कहा कि सभी एमओआईसी यह सुनिश्चित करें वीएचएनडी (विलेज हेल्थ एंड न्यूट्रिशन डे) का व्यापक प्रचार प्रसार हो।ताकि अधिक से अधिक लोगों को इसका लाभ मिल सके।अगर किसी का एएनसी छूट जाता है तो छुटे लोगों की सूची तैयार करें।एएनसी के दौरान हीमोग्लोबिन की जांच अवशय हो इसे सुनिश्चित करें।ताकि एनिमिया के बारे में पता चल सके।सहिया के पास कीट पर्याप्त संख्या में उपलब्ध रहे इसे सुनिश्चित करें।इस संबंध में समय समय पर समीक्षा करें।इस दौरान उन्होंने टीकाकरण से संबंधित कार्यों की भी जानकारी प्राप्त की।बैठक में स्वास्थ्य विभाग के जिला तथा प्र-खंड स्तर के अधिकारी उपस्थित थे।

संताल परगना महाविद्यालय में हुआ केंपस प्लेसमेंट कार्यक्रम

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। संताल परगना महाविद्यालय के कक्ष संख्या 17 में सैंकड़ो विद्यार्थियों ने कैंपस प्लेसमेंट कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति दर्ज करायी, जिनमें सेमेस्टर 6 के बच्चों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। दुर्गापुर से आयी सुपर स्मेल्टर्स लिमिटेड के टेक्निकल हेड अनूप सक्सेना जी ने सर्वप्रथम अपनी कंपनी की पूरी जानकारी अभ्यर्थियों के समक्ष विस्तार से रखी, साथ ही उन्होंने इस प्लेसमेंट की सभी पक्षों को एक-एक कर अभ्यर्थियों के सामने रखा। कैंपस प्लेसमेंट टीम में अम्बरीष पांडेय, रविन्द्र सिंह, मृगेश झा आदि उपस्थित थे। अभ्यर्थियों की संख्या अधिक होने के कारण पहले उनकी लिखित परीक्षा ली गई, तत्पश्चात उनका साक्षात्कार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत महाविद्यालय प्राचार्य डॉ खिरोधर प्रसाद यादव के स्वागत वचनों से हुआ। इस कार्यक्रम के संयोजक डॉ कुमार सौरभ ने सभी अभ्यर्थियों को अनुशासन के साथ उक्त कार्यक्रम में भाग लेने की अपील की। कार्यक्रम में मुख्य रूप से रसायन शास्त्र के विभागाध्यक्ष डॉ वेदप्रकाश सहाय, भौतिकी के विभागाध्यक्ष डॉ रविशंकर कुमार के साथ साथ कई अन्य शिक्षक भी उपस्थित थे।

कांग्रेस कार्यालय में मनाई गई इंदिरा गांधी की 105 वीं जयंती

देवघर। देश की प्रथम महिला प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय इंदिरा गांधी की 105 वीं जयंती कांग्रेस कार्यालय में मनाई गई। जिलाध्यक्ष मुन्नम संजय की अगुवाई में देवघर जिला कांग्रेस के नेता, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं द्वारा सर्वप्रथम इंदिरा जी के तस्वीर पर पुष्पमाला एवं श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी और नमन किया। श्रद्धांजलि के पश्चात जिला अध्यक्ष मुन्नम संजय ने कहा कि इंदिरा प्रियदर्शनी जिससे आयरन लेडी के नाम से जाना जाता है। जिसकी अक्षुण्ण शक्ति को देखकर पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेई ने उन्हें 'दुर्गा' की उपाधि दी थी। उन्होंने भारत की शक्ति को दुनिया में प्रदर्शित करते हुए पाकिस्तान के दो टुकड़े कर बांग्लादेश को अलग कर दिखाया। प्रधानमंत्री कार्यकाल में उन्होंने देश के लिए कई महत्वपूर्ण काम किए। जिसमें मुख्य रूप से बैंकों का राष्ट्रीयकरण,परमाणु परीक्षण,मेघदूत आपरेशन के तहत सियाचिन पर कब्जा,राजभत्ते की समाप्ती आदि ने देश की दिशा और दशा बदल दी। इंदिरा जी ने धर्मनिरपेक्ष प्रजातंत्र एवं समाजवाद का विस्तार किया। यहाँ तक ही नहीं इंदिरा ने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में बढ़ चढ़कर हिस्सा ली और 'वानर सेना' तथा 'बाल चरखा संघ' का गठन की थी। उनके योगदान से लेकर बलिदान तक देश हमेशा याद रखेगा। उनका कहना था कि भले ही मैं देश की सेवा में मर जाऊं, मुझे इस पर गर्व होगा। मेरे खून की हर बूंद इस देश के विकास और इसे मजबूत और गतिशील बनाने में योगदान देगी।कार्यक्रम में पूर्व जिला अध्यक्ष राजेंद्र दास,वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रो. उदय प्रकाश, जिला मीडिया प्रभारी दिनेश कुमार मंडल,नगर अध्यक्ष रवि केसरी, सोशल मीडिया प्रभारी अमित कुमार पांडेय,देवघर प्रखंड अध्यक्ष राजीव रंजन उर्फ गुलाब, एनएसयूआई के सिद्धू कान्हू वि.वि.अध्यक्ष रवि बर्मा,कुमार बाबा,शैफ दानिश,प्रदीप ठाकुर,पिंटु यादव,अजय पाठक,अंकुर केशरी,आदर्श केशरी, संतोष राय आदि ने भाग लिया।

प्रदेश कार्यकारिणी के कार्यों के आयोजन को लेकर होगी चर्चा

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। झारखंड प्रदेश विश्वकर्मा समाज जिला दुमका की कोर कमेटी की बैठक प्रदेश अध्यक्ष विकास राणा की अध्यक्षता में आयोजित की जायेगी। 'झारखंड प्रदेश विश्वकर्मा समाज ' की यह जन आयोजन 20 नवंबर रविवार दिन के 11 बजे जोहार सभागार, दुमका में होगा जहाँ आगामी प्रदेश कार्यकारिणी के कार्यों के आयोजन को लेकर लेकर चर्चा होगी। दुमका जिला विश्वकर्मा समाज के अध्यक्ष गंगाधर शर्मा ने बताया कि इस एक दिवसीय राज्य स्तरीय बैठक के मुख्य अतिथि माननीय सांसद सुनील सोरेन होंगे। इस बैठक में झारखंड के सभी 24 जिला से झारखंड प्रदेश विश्वकर्मा समाज के प्रदेश कमेटी के सभी पदाधिकारी , प्रदेश कार्यकारिणी के सभी सदस्य , सभी जिला अध्यक्ष, जिला महासचिव तथा जिला कोषाध्यक्ष सहित विश्वकर्मा समाज के विश्वकर्मा बंधुओ को अनिवार्य रूप से बैठक में आमंत्रित किया गया है। झारखंड प्रदेश विश्वकर्मा समाज की प्रदेश कार्यकारिणी के इस बैठक में मुख्य रूप से आगामी राज स्तरीय रैली के तिथि की घोषणा तथा संगठन विस्तार पर सार्थक रूप से विचार विमर्श किया जाएगा।

अवैध कोयला डिपो से 40 क्विंटल कोयला जब्त

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। रामगढ थाना क्षेत्र अंतर्गत केंदुआ गांव में संचालित अवैध कोयला डिपो से जिला खनन पदाधिकारी कृष्ण कुमार किस्कू के नेतृत्व मे छापामारी कर करीब 40 क्विंटल कोयला जब्त किया गया है। उक्त कोयला केंदुआ गांव के बाहर झाड़ी मे छिपाकर रखा गया था। बरामद कोयला को रामगढ़ थाना पुलिस के जिम्मा दिया गया है। मौके से किसी की गिरफ्तारी नही हुई है। थाना प्रभारी अरविंद कुमार राय ने बताया की डीएमओ के निर्देश पर प्राथमिकी दर्ज करने की कारवाई चल रही है। बता दें की इन दिनों रामगढ थाना क्षेत्र के रास्ते कोयले का अवैध करोबार चरम पर है। थाना क्षेत्र के रैयाडीह, केंदुआ, डांडो सहित दर्जनो जगहों पर कोयला डंप कर हंसडीहा, सरैयाहाट, नोनीहाट के साथ साथ बिहार भेजा जा रहा है। मालूम हो की रामगढ़ थाना क्षेत्र में कोयला का कोई वैध खदान नहीं है। कोयला माफिया पाकुड़ क्षेत्र के आलूबेडा खदान से कोयला निकालकर परगोडीह के रास्ते रामगढ़ थाना क्षेत्र में जमा करते है।वहां से प्रतिदिन मोटरसाइकिल पिकअप तथा अन्य वाहनों के जरिए कोयला की तस्करी की जा रही है। इन दिनों बांग्ला ईट भट्टा में ज्यादातर कोयला खपाया जा रहा है।

बजरंग दल के नेता के खिलाफ शिकायत

हासन/ शुभ लाभ ब्यूरो।

कांग्रेस नेताओं ने बजरंग दल के एक नेता पर कांग्रेस विधायक तनवीर सैत पर हत्या की धमकी देने का आरोप लगाते हुए शुक्रवार को हासन के एसपी हरिराम शंकर को शिकायत सौंपकर उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की। बजरंग दल के एक नेता रघु सकलेशपुर ने हाल ही में हासन में एक बैठक में कथित तौर पर तनवीर को धमकी दी थी कि अगर उसने टीपू सुल्तान की मूर्ति स्थापित करने की अपनी योजना को रद्द नहीं किया, तो उसके लिए 6/3 वर्ग फुट की जगह तय की जाएगी। कांग्रेस के सोशल मीडिया सेल के राज्य उपाध्यक्ष मुजाहिद पाशा ने कहा कि बजरंग दल के नेता ने हत्या की धमकी दी थी। उन्होंने कहा पुलिस को उनके बयान पर ध्यान देना चाहिए और उनके खिलाफ कार्रवाई शुरू करनी चाहिए। यूथ कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष रंजीत गोरूरू सहित अन्य मौजूद रहे।

दत्त जयंती की तैयारियों को लेकर बैठक

चिक्कमगलूरु/ शुभ लाभ ब्यूरो।

चिक्कमगलूरु के उपायुक्त के.एन. रमेश ने शुक्रवार को 6 से 8 दिसंबर के बीच होने वाली दत्त जयंती की तैयारियों को लेकर अधिकारियों के साथ बैठक की। डीसी ने समारोह में शामिल होने वाले संगठनों के सहयोग से आयोजन के सुचारू संचालन के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं करने के निर्देश दिए। डीसी ने कहा कि संगठन के नेताओं को कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों की संख्या, वाहनों और जुलूस के मार्ग के बारे में जानकारी जिला प्रशासन के साथ पहले ही साझा करनी चाहिए।

पुलिस को बाबाबुदनगिरी में तैनात किया जाएगा, जहां श्री गुरु दत्तात्रेय बाबाबुदन स्वामी दरगाह स्थित है। यातायात के सुचारु प्रवाह को सुनिश्चित करने के लिए बाबाबुदनगिरी, मुल्लायनगिरी और सीताल्यायनगिरी की ओर जाने वाली सड़कों की मरम्मत की जाएगी।

डीसी ने अधिकारियों को मंदिर में एक अस्पताल स्थापित करने और चिकित्सा कर्मचारियों की प्रतिनियुक्ति करने का निर्देश दिया। उन्होंने धर्मस्थल पर पेयजल आपूर्ति व बिजली आपूर्ति की समुचित व्यवस्था के निर्देश भी दिए। पुलिस अधीक्षक उमा प्रशांत, जिला पंचायत सीईओ जी. प्रभु, एडिशनल एसपी जी. कृष्णमूर्ति, एडिशनल डीसी बी.आर. रूपा और हिंदुत्ववादी संगठनों के प्रतिनिधियों ने बैठक में भाग लिया।

गैंगरेप पीड़िता से फिर रेप की कोशिश

सीतामढ़ी (एजेंसियां)।

सीतामढ़ी में गैंगरेप पीड़िता से फिर से रेप की कोशिश की गई। पीड़िता से रेप के आरोप में जेल से जमानत पर छूटे दो आरोपियों ने वारदात को अंजाम दिया। आरोपियों ने पीड़िता के घर में घुसकर दुष्कर्म करने का प्रयास किया। इतना ही नहीं केस उठाने के लिए धमकाया और ऐसा नहीं करने पर पूरे परिवार को बर्बाद कर देने की बात कही। पीड़िता ने थाने में इसकी शिकायत की है।

घटना पुपरी थाना क्षेत्र के एक गांव की है। जहां गैंगरेप के मामले में बेल पर बाहर आए दो युवकों ने वारदात को अंजाम दिया। दोनों को करीब डेढ़ साल पहले पुलिस ने पकड़ा था।

वोटर डेटा चोरी विवाद

इसमें शामिल लोगों को तुरंत किया जाना चाहिए गिरफ्तार : शिवकुमार

- अगले 24 घंटों के भीतर कार्रवाई की मांग

बेंगलूरु/ शुभ लाभ ब्यूरो।

बेंगलूरु स्थित एनजीओ चिलूम एजुकेशनल कल्चरल एंड रूरल डेवलपमेंट ट्रस्ट द्वारा कथित तौर पर मतदाता डेटा चोरी करने के विवाद पर प्रतिक्रिया देते हुए, कर्नाटक कांग्रेस के अध्यक्ष डी के शिवकुमार ने कहा इसमें शामिल लोगों को तुरंत गिरफ्तार किया जाना चाहिए।

बीबीएमपी आयुक्त ने खुद उन्हें दिए गए अवसर का दुरुपयोग करने पर सहमति व्यक्त की है। यह एक बड़ा आपराधिक कृत्य है। उन्होंने कहा ऑपरेशन वोटर लिस्ट कांड पर नजर डालें तो साफ है कि भाजपा सरकार मतदाताओं के अधिकार छीनने की नापाक हरकत पर उतर आई है। वोट देना सबका अधिकार है लेकिन बीजेपी अपनी ताकत का इस्तेमाल कर इस अधिकार को छीन रही है। हमारे पास इस घोटाले के पीछे लोगों के बारे में जानकारी है कि उन्होंने क्या किया

है। इस संगठन में काम करने वाले कर्मचारियों ने हमें सारी जानकारी और सबूत उपलब्ध कराए हैं। हमने पुलिस आयुक्त से शिकायत की है।

हम इसे केंद्रीय चुनाव आयोग तक ले जाएंगे। हमने जल्द ही चुनाव आयोग के अधिकारियों से मिलने का फैसला किया है। उन्होंने कहा इसमें मुख्यमंत्री की सीधी संलिप्तता पाई गई। अगर अगले 24 घंटों के भीतर कार्रवाई नहीं की गई तो हम उग्र संघर्ष शुरू करेंगे। ऑपरेशन वोटर लिस्ट घोटाले की हाईकोर्ट के जजों के नेतृत्व में जांच कराई जाए। यह हमारी साझी मांग है। शिवकुमार ने कहा कि उनकी पार्टी ने पिछले दो महीनों में इसकी जांच की। लगभग 18 हजार लोग, जो (भाजपा) कार्यकर्ता हैं, उन्हें पहचान पत्र दिए गए। उन्होंने खाली घरों की पहचान भी की। उनकी योजना है कि यहां कहीं और से वोटरों का नामांकन कराया जाए।

इसके अलावा, वे अल्पसंख्यक, एससी, एसटी और ओबीसी मतदाताओं को हटा रहे हैं जो मतदाता सूची से उनका समर्थन नहीं करते हैं। मामले की सख्ती से जांच की जानी चाहिए। शिवकुमार ने कहा मतदान, चुनाव और लोकतांत्रिक व्यवस्था की गरिमा को भाजपा सरकार ने नीलाम कर दिया है। सरकारी कर्मचारी के रूप में फर्जी पहचान पत्र बनाकर भाजपा कार्यकर्ताओं का सर्वेक्षण कर शिवाजीनगर, राजराजेश्वरी नगर, मलेश्वरम के निवासियों की संवेदनशील जानकारी एकत्र की गई।

शिकायत मिलने के तुरंत बाद वापस ले ली

ज्ञातव्य है कि मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई के खिलाफ चुनावी धोखाधड़ी के कांग्रेस के आरोपों के बीच, भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) ने गुरुवार को कदम उठाया और कहा था कि बीबीएमपी के जिला निर्वाचन अधिकारी, यानी मुख्य आयुक्त को विस्तृत जांच करने और कानून का उल्लंघन करने वाली किसी भी संस्था या व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। एक बयान में, मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनोज कुमार मीणा ने स्पष्ट किया था कि बीबीएमपी डीईओ द्वारा किसी भी गैर-लाभकारी संस्था को सर्वेक्षण की अनुमति नहीं दी गई थी। मीणा ने कहा कि चिलूम ट्रस्ट को दी गई अनुमति शिकायत मिलने के तुरंत बाद वापस ले ली गई। मीणा ने कहा निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी, महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र ने पहले ही व्हाइटफील्ड पुलिस स्टेशन में बीएलओ आईडी कार्ड के दुरुपयोग के संबंध में शिकायत दर्ज कराई है।

शरावती-परियोजना विस्थापित मुद्दे को जल्द ही किया जाएगा हल: येडियूरप्पा

हासन/ शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री बी.एस. येडियूरप्पा ने शरावती पनबिजली परियोजना के कारण विस्थापित हुए लोगों को आश्वासन दिया है कि मुआवजे के रूप में उन्हें आवंटित की गई भूमि के स्वामित्व के मुद्दे को जल्द ही सुलझा लिया जाएगा। येडियूरप्पा ने शुक्रवार को शिवमोग्गा में शरावती परियोजना से प्रभावित लोगों की एक बैठक को संबोधित किया। भाजपा की जिला इकाई ने अदालत के आदेश के अनुसार विस्थापितों को दी गई वन भूमि की अधिसूचना को वापस लेने के बाद हाल के घटनाक्रमों के मद्देनजर बैठक आयोजित की थी। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि वह इस मुद्दे पर केंद्रीय पर्यावरण एवं वन मंत्री से पहले ही मिल चुके हैं। अगर जरूरत पड़ी तो मैं दोबारा दिल्ली जाऊंगा और काम करवाऊंगा। मैं तुम्हारे साथ हूं। इस मुद्दे पर कांग्रेस पार्टी के प्रस्तावित विरोध मार्च पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस कभी भी इस मुद्दे को हल नहीं करना चाहती थी। यह समस्या को जीवित रखना चाहता था। उन्होंने कहा, भाजपा और नरेंद्र मोदी इसे खत्म करना चाहते हैं। विरोध मार्च की जरूरत नहीं है। इसे 15-20 दिनों के भीतर हल कर लिया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस द्वारा प्रस्तावित विरोध से उस पार्टी को किसी भी तरह का लाभ नहीं होगा। इस मौके पर लोकसभा सदस्य बी.वाई. राघवेंद्र, गृह मंत्री अरगा ज्ञानेंद्र, विधायक अशोक नाइक, हड़ताल हलप्पा और अन्य उपस्थित थे।

भारतीय वायु सेना की एरोबेटिक टीम सारंग नागपुर में एयर फेस्ट 2022 के लिए रिहर्सल के दौरान प्रदर्शन करती हुई।

पुलिस ने एंटीक रैकेट का किया भंडाफोड़

- 7.5 किलोग्राम हाथीदांत से बनी वस्तुएं बरामद

बेंगलूरु/ शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक पुलिस ने शुक्रवार को छह लोगों की गिरफ्तारी के साथ प्राचीन वस्तुओं की तस्करी के एक रैकेट का भंडाफोड़ करने और प्राचीन हाथी दांत से बने 7.5 किलोग्राम की 21 वस्तुओं को जब्त करने का दावा किया। गिरफ्तार लोगों की पहचान हरियाणा के हिम्मत सिंह, पंजाब के प्रवीण संबियाल, मैसूरु के अब्दुल कयूम और मोहम्मद रफीक, बेंगलूरु के मोहम्मद इसरार उर्फ बाबू और अमजद पाशा के

रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, आरोपियों को बेंगलूरु में एक कार में ग्राहकों का इंतजार करते हुए गिरफ्तार किया गया। उन्होंने कहा, वस्तुएं प्राचीन हाथीदांत से बनी थीं, जिनकी कीमतों का मूल्यांकन पैसे के मामले में नहीं किया जा सकता है। प्राचीन वस्तुओं में हाथीदांत के हैंडल के साथ चाकू, अलग-अलग डिजाइनों के दरवाजे के हैंडल, हाथियों की मूर्तियां, छड़ें, कामसूत्र पर आधारित 20 कामुक कलाकृतियां शामिल है। मामले का पता बेंगलूरु सिटी सेंट्रल क्राइम ब्रांच (सीसीबी) महिला सुरक्षा विंग द्वारा लगाया जा रहा है। बेंगलूरु के पुलिस आयुक्त प्रताप रेड्डी ने गिरोह को पकड़ने में पुलिस के प्रयासों की सराहना की है।

उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश की निगरानी में हो ऑपरेशन वोटर घोटाले की जांच : सिद्धरामैया

बेंगलूरु/ शुभ लाभ ब्यूरो।

कांग्रेस ने शुक्रवार को कर्नाटक की भाजपा नीत सरकार से तथाकथित ऑपरेशन वोटर घोटाले का पर्दाफाश करने के लिए इसकी जांच उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश की निगरानी में कराने का आदेश देने की मांग की। विपक्षी दल ने गुरुवार को बेंगलूरु में मतदाताओं की जानकारी की 'चोरी' और निजता के हनन के आरोप लगाया। इस सिलसिले में एनजीओ चिलूम ट्रस्ट और उसके एक कर्मचारी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। कांग्रेस का आरोप है कि एक

निजी एजेंसी को ऑनलाइन आवेदन भरने के सिलसिले में जागरुक करने के लिए घर-घर जाकर सर्वेक्षण करने की अनुमति दी गई और उन्हें स्वयं को बूथस्तरीय अधिकारी बताकर मतदाताओं की निजी जानकारी जुटाने का जिम्मा सौंपा गया। विधानसभा में विपक्ष के नेता और पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने यह जानना चाहा कि क्या भाजपा सरकार एक एजेंट को फंसा कर अपने भ्रष्ट मंत्रियों को बचाना चाहती है। सिलसिलेवार ट्वीट में सिद्धरामैया ने सरकार पर जनता को धोखा देने का आरोप लगाते हुए कहा कि उसने मतदाताओं की जानकारी चुराई है और गैरकानूनी तरीके से निजी जानकारी जुटाई है। सिद्धरामैया ने सवाल किया बेंगलूरु पुलिस ने ऑपरेशन वोटर घोटाला में लोकेश नामक एक एजेंट के खिलाफ मामला दर्ज किया है जो (एनजीओ) चिलूम में 20,000 रुपये के वेतन पर नौकरी करता था। बसवराज बोम्मई सरकार एक सामान्य कर्मचारी को बलि का बकरा बनाकर अपने भ्रष्ट मंत्रियों को बचाना चाहती है। उन्होंने कहा, ऑपरेशन वोटर घोटाले के वास्तविक दोषियों का पर्दाफाश करने के लिए हम उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश की निगरानी में जांच कराने की मांग करते हैं। सरकार न्यायिक जांच शुरू करने से डर क्यों रही है? बसवराज बोम्मई मामले को रफा-दफा करने की जल्दी में क्यों हैं?

चेन्नई में तांबरम वायु सेना स्टेशन पर पासिंग आउट परेड के दौरान वायु सेना के जवानों ने मार्च किया।

उच्च अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई कर अर्दली व्यवस्था को खत्म किया जाए : मद्रास उच्च न्यायालय

चेन्नई/ शुभ लाभ ब्यूरो।

मद्रास उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे अपने अधीनस्थों को छोटा काम करने के लिए मजबूर करने वाले उच्च अधिकारियों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई कर कुछ क्षेत्रों में अभी भी प्रचलित 'अर्दली' व्यवस्था को पूरी तरह खत्म करें। न्यायमूर्ति एस एम सुब्रमण्यम ने अधिकारियों को केंद्र सरकार के आदेशों को प्रभावी ढंग से लागू करने का निर्देश दिया, जिसने हर तरह से व्यवस्था को समाप्त कर दिया है। उन्होंने कहा, निजी कार्यों के लिए अर्दली की औपनिवेशिक प्रथा के संबंध में किसी भी व्यक्ति से कोई शिकायत प्राप्त होने की स्थिति में, अनुशासन एवं अपील नियम के तहत और कानून के तहत भी कार्रवाई की जानी चाहिए। इसके अलावा, सरकारी कर्मचारी को देय वेतन, जिससे अर्दली के रूप में सेवा ली गई हो, प्रक्रिया का तत्काल पालन करते हुए संबंधित अधिकारी से वसूल किया जाए।

वेतन की वसूली विभागीय कार्रवाई के अतिरिक्त होनी चाहिए। न्यायाधीश ने केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) से जुड़े एम मुथु की रिट याचिका को स्वीकार कर लिया। मुथु जब झारखंड में 97 वीं बटालियन में सेवारत थे, तब ऑफिसर्स कमांडिंग (ओसी) ने उन्हें छोटे-मोटे काम करने का निर्देश दिया। उन्होंने इसे नकार दिया। इसका परिणाम 2016 में सेवा से उनकी बर्खास्तगी के रूप में निकला। अदालत ने कहा कि सेवा से बर्खास्तगी की सजा अत्यधिक है और आरोपों की गंभीरता के अनुपात में नहीं है। न्यायाधीश ने बर्खास्तगी के आदेश को रद्द करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिया कि मुथु को बिना किसी पिछले वेतन के लेकिन सेवा की निरंतरता के साथ सेवा में बहाल किया जाए। न्यायाधीश ने केंद्रीय गृह मंत्रालय को यह सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया कि अर्दली व्यवस्था को समाप्त करने के केंद्र के आदेशों को प्रभावी ढंग से लागू किया जाए और उन उच्च अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू की जाए, जो अपनी बटालियन में कांस्टेबल, योद्धाओं और अन्य कर्मचारियों का इस्तेमाल औपनिवेशिक व्यवस्था के पालन के तहत अपने निवास पर या अन्यत्र व्यक्तिगत कार्यों के लिए कर रहे हैं।

छपरा में ट्रक ने युवक को रौंदा

छपरा (एजेंसियां)। : छपरा में लगातार रफ्तार का कहर देखने को मिल रहा है। आए दिन सड़क दुर्घटना में लोगों की मौत हो रही है।ताजा मामला गड़खा के मुबारकपुर से सामने आया है। यहां एक युवक का अनियंत्रित ट्रक द्वारा रौंदे जाने से मौत हो गई। मृतक की पहचान जलालपुर थाना क्षेत्र के सवारी दिह टोला निवासी तेजन महतो (25वर्ष) पिता शंकर महतो के रूप में हुआ हैं। मृतक ट्रक ड्राइवर का काम करता था। शुक्रवार को डोरीगंज से आपने गांव जा रहा था तभी छपरा बाईपास फोर लेन पर दुर्घटनाग्रस्त हो गया युवक कि मौत घटनास्थल पर ही हो गई।

हिन्दी दैनिक
झारखण्ड देखो
खबरें, कहानी, लोग और बहुत कुछ

संपादकीय

टकराव में महामहिम

राज्यपाल अपने अधिकार का उपयोग करना चाहते हैं, तो राज्य सरकारें अपने निर्वाचित होने का हवाला दे रही हैं। केरल में राज्यपाल ने कुछ दिनों पहले दस विश्वविद्यालयों के कुलपतियों से इस्तीफा मांग लिया। उनका कहना था कि उनकी नियुक्ति में तय नियम-कायदों का पालन नहीं किया गया। इसे लेकर राज्य सरकार और राज्यपाल के बीच ठन गई। बाद में उच्च न्यायालय ने राज्यपाल के आदेश पर रोक लगा दी। अब राज्य सरकार ने राज्यपाल का विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति का दर्जा समाप्त करने का अध्यादेश पारित कर दिया है। हालांकि उस पर भी राज्यपाल की मंजूरी आवश्यक है, मगर अपने-अपने अधिकारों को लेकर जंग छिड़ी हुई है। इसके अलावा कुछ दिनों पहले राज्यपाल ने सरकार के एक मंत्री को हटाने के लिए मुख्यमंत्री को पत्र लिखा, जो स्वाभाविक ही राज्य सरकार को नागवार गुजरा और उसे लेकर भी दोनों के अधिकार क्षेत्र पर बहस शुरू हो गई। इसी तरह तमिलनाडु सरकार ने राष्ट्रपति को पत्र लिख कर वहां के राज्यपाल को हटाने की मांग की है। उसका आरोप है कि राज्यपाल उसके कामकाज में बेजा दखल दे रहे हैं। तेलंगाना के राज्यपाल का आरोप है कि राज्य सरकार उनका फोन 'टैप' करा रही है। हालांकि राज्यपाल या उपराज्यपाल और चुनी हुई सरकारों के बीच तनातनी के ये मामले नए नहीं हैं। पश्चिम बंगाल में भी कुछ दिनों पहले तक राज्य सरकार और राज्यपाल के बीच इसी तरह लगातार टकराव बना रहा। राज्यपाल सरकार के कामकाज और फैसलों पर अंगुली उठाते रहे, तो सरकार उन्हें चुनौती देती रही। दिल्ली में उपराज्यपाल और सरकार के बीच तनातनी का दौर बहुत लंबे समय से चलता आ रहा है। यहां आम आदमी पार्टी सरकार का लगभग सभी उपराज्यपालों से तकरार बनी रही। शुरू में दोनों के बीच अधिकारों की लड़ाई उच्च न्यायालय तक भी पहुंची थी। झारखंड और राजस्थान में भी अलग-अलग मौकों पर कुछ मसलों पर इस तरह के टकराव देखे जाते रहे हैं। इस तरह विपक्षी दलों को यह कहने का मौका मिलता है कि जहां भी विपक्षी दलों की सरकारें हैं, वहां राज्यपाल उनके कामकाज में बेवजह दखल देने का प्रयास करते देखे जाते हैं, जबकि भाजपा सरकारों वाले प्रदेशों में ऐसी स्थिति नहीं है। ऐसे में राज्यपाल पद की गरिमा और मर्यादा को लेकर भी सवाल उठते रहे हैं। यह ठीक है कि राज्य सरकारें निर्वाचित होती हैं, उन्हें जनता के हितों को ध्यान में रखते हुए काम करने का अधिक अधिकार होता है और राज्यपाल को उनके कामकाज को सुगम बनाने के लिए बेहतर स्थितियां बनाने का दायित्व निभाना होता है। मगर इसका यह अर्थ नहीं कि सरकारें राज्यपाल को केंद्र का 'आदमी' मान कर नजरअंदाज करें या उनकी अवहेलना करें। पर राज्यपाल से भी अपेक्षा की जाती है कि वे अपने को केंद्र के सत्तारूढ़ दल का प्रतिनिधि मान कर उसकी विचारधारा के अनुरूप राज्य सरकार से काम करवाने का प्रयास करने के बजाय राज्यपाल की गरिमा के अनुरूप काम करें। हालांकि केंद्र द्वारा राज्यपालों को अपने नुमाइंदे के तौर पर नियुक्त करने की प्रवृत्ति पुरानी है, पर राज्य सरकारों के साथ इन टकरावों को देखते हुए एक बार फिर से राज्यपाल की नियुक्ति पर नए सिरे से विचार की जरूरत रेखांकित हुई है। फिर सवाल उठता है कि आखिर सक्रिय राजनीति में रह चुके लोगों को इस पद का दायित्व सौंपा ही क्यों जाना चाहिए।

पश्चिम बंगाल में भी कुछ दिनों पहले तक राज्य सरकार और राज्यपाल के बीच इसी तरह लगातार टकराव बना रहा। राज्यपाल सरकार के कामकाज और फैसलों पर अंगुली उठाते रहे, तो सरकार उन्हें चुनौती देती रही। दिल्ली में उपराज्यपाल और सरकार के बीच तनातनी का दौर बहुत लंबे समय से चलता आ रहा है। यहां आम आदमी पार्टी सरकार का लगभग सभी उपराज्यपालों से तकरार बनी रही। शुरू में दोनों के बीच अधिकारों की लड़ाई उच्च न्यायालय तक भी पहुंची थी। झारखंड और राजस्थान में भी अलग-अलग मौकों पर कुछ मसलों पर इस तरह के टकराव देखे जाते रहे हैं। इस तरह विपक्षी दलों को यह कहने का मौका मिलता है कि जहां भी विपक्षी दलों की सरकारें हैं, वहां राज्यपाल उनके कामकाज में बेवजह दखल देने का प्रयास करते देखे जाते हैं, जबकि भाजपा सरकारों वाले प्रदेशों में ऐसी स्थिति नहीं है।

अमृत कलश

धन से भी बड़े धन हैं.....

धन से बड़ा कौन? दुनिया में धन खूब बढ़े। इतना बढ़े कि देवता तरसें पृथ्वी पर जन्म लेने को...लेकिन धन ही सब कुछ नहीं है। कुछ और भी बड़े धन हैं। ध्यान हो तो धन भी सुंदर है। ध्यानी के पास धन होगा, तो जगत का हित ही होगा, कल्याण ही होगा। क्योंकि धन ऊर्जा है। धन शक्ति है। धन बहुत कुछ कर सकता है। मैं धन विरोधी नहीं हूं। मैं उन लोगों में नहीं, जो समझाते हैं कि धन से बचो। भागो धन से। वे कायरता की बातें करते हैं। मैं कहता हूं जियो धन में, लेकिन ध्यान का विस्मरण न हो। ध्यान भीतर रहे, धन बाहर। फिर कोई चिंता नहीं है। तब तुम कमल जैसे रहोगे, पानी में रहोगे और पानी तुम्हें छुएगा भी नहीं।ध्यान रहे, धन तुम्हारे जीवन का सर्वस्व न बन जाए। तुम धन को ही इकट्ठा करने में न लगे रहो। धन साधन है, साध्य न बन जाए। धन के लिए तुम अपने जीवन के अन्य मूल्य गंवा न बैठो। तब धन में कोई बुराई नहीं है। मैं चाहता हूं कि दुनिया में धन खूब बढ़े, इतना बढ़े कि देवता तरसें पृथ्वी पर जन्म लेने को। लेकिन धन सब कुछ नहीं है। कुछ और भी बड़े धन हैं। प्रेम का, सत्य का, ईमानदारी का, सरलता का, निर्दोषता का, निर- अहंकारिता का। ये धन से भी बड़े धन हैं।कोहिनूर फीके पड़ जाएं, ऐसे भी हीरे हैं- ये भीतर के हीरे हैं।

बोध कथा

नकारात्मक सोच

नदी के किनारे पेड़ की टहनियां धारा के ऊपर तक फैली थीं। एक चिड़ियों का परिवार अपने लिये घोंसले की तलाश में भटकते हुए उस नदी के किनारे पहुंच गया। चिड़ियों ने उससे पूछा, "हम सब काफी समय से अपने लिये एक नया मजबूत घर बनाने के लिये वृक्ष तलाश रहे हैं, आपको देखकर हमें बड़ी प्रसन्नता हुई, आपकी मजबूत शाखाओं पर हम एक अच्छा सा घोंसला बनाना चाहते हैं ताकि बरसात शुरू होने से पहले हम खुद को सुरक्षित रख सकें?" पेड़ ने उनकी बातों को सुनकर साफ इनकार कर दिया और बोला, " मैं तुम्हें इसकी अनुमति नहीं दे सकता, जाओ कहीं और अपनी तलाश पूरी करो।" चिड़ियों को पेड़ का इनकार बहुत बुरा लगा, वे उसे भला-बुरा कह कर सामने ही एक दूसरे पेड़ के पास चली गयीं। उस पेड़ से भी उन्होंने घोंसला बनाने की अनुमति मांगी। इस बार पेड़ आसानी से तैयार हो गया और उन्हें ख़ुशी-ख़ुशी वहां रहने की अनुमति दे दी। चिड़ियों ने उस पेड़ की खूब प्रशंसा की और अपना घोंसला बना कर वहां रहने लगीं। समय बीता, बरसात का मौसम शुरू हो गया। नदियों में बाढ़ आ गयी। नदी अपने तेज प्रवाह से मिटटी काटते-काटते और चौड़ी हो गयी और एक दिन बाढ़ में तमाम पेड़-पौधे अपनी जड़ों से उखड़ कर नदी में बहने लगे। इन पेड़ों में वह पहला वाला पेड़ भी शामिल था जिसने उन चिड़ियों को अपनी शाखा पर घोंसला बनाने की अनुमति नहीं दी थी। उसे जड़ों सहित उखड़कर नदी में बहता देख चिड़ियों कर परिवार खुश हो गया, मानो कुदरत ने पेड़ से उनका बदला ले लिया हो। चिड़ियों ने पेड़ की तरफ उपेक्षा भरी नज़रों से देखा और कहा, " एक समय जब हम तुम्हारे पास अपने लिये मदद मांगने आये थे तो तुमने साफ इनकार कर दिया था, अब देखो तुम्हारे इसी स्वभाव के कारण तुम्हारी यह दशा हो गई है।" इस पर इस पेड़ ने मुस्कुराते हुए उन चिड़ियों से कहा, मैं जानता था कि मेरी उम्र हो चली है और इस बरसात के मौसम में मेरी कमजोर पड़ चुकी जड़ें टिक नहीं पायेंगी और मात्र यही कारण था कि मैंने तुम्हें इनकार कर दिया था क्योंकि मैं नहीं चाहता कि मेरी वजह से तुम्हारे ऊपर विपत्ति आये।फिर भी मेरे इनकार से तुम्हारा दिल दुखा , इसके लिये मुझे क्षमा करना और ऐसा कहते-कहते पेड़ पानी में बह गया।

सीओपी-27 शिखर बैठक की प्राथमिकता बने खाद्य प्रणाली की सुरक्षा

डॉ. सीमा जावेद

ग्लोबल वॉर्मिंग और रूस-यूक्रेन युद्ध के साये में और आपदाओं से भरे साल में एक बार फिर दुनिया के सभी देश शर्म-अल-शेख जलवायु परिवर्तन सम्मेलन में जमा हो रहे हैं। शर्म-अल-शेख जलवायु परिवर्तन महासम्मेलन (कॉप-27) में जमा हो रही दुनिया भर की सरकारें, कॉर्पोरेट प्रतिनिधियों और मीडिया के जमावड़ा को दुनिया के 35 करोड़ किसानों ने नेताओं को एक खुला पत्र लिखकर आगाह किया कि अगर अधिक विविधतापूर्ण और कम लागत वाली खेती को नहीं अपनाया गया तो वैश्विक खाद्य सुरक्षा खतरे में पड़ जाएगी। इस पत्र का संयोजक इंटरनेशनल यूनियन फॉर द कंजरवेशन ऑफ नेचर की फूड एण्डम फार्म फैसिलिटी द्वारा किया गया है। गौरतलब है कि सीओपी-27 में दुनिया के 90 राष्ट्रा ध्य क्ष खाद्य सुरक्षा पर विचार-विमर्श कर रहे हैं।

साल 2022 में हीट वेव के मामले में करीब सवा सौ साल का रिकॉर्ड टूट गया। भारत समेत पूरा के थर्ड वर्ल्ड कहे जाने वाले देश गर्मी की मार से झुलस गये। इसका असर मानव की कार्यक्षमता के अलावा फसलों की उपज पर हुआ। भारत और पाकिस्तान के अनेक हिस्सों में तापमान 50 डिग्री सेल्सियस के करीब रहा। उच्च तापमान से किसानों की फसल चिलचिलाती धूप में सूख गई। अत्यधिक गर्मी का कृषि क्षेत्र पर बड़ा दुष्प्रभाव हुआ।

इसके बाद पाकिस्तान ने इतिहास की सबसे बड़ी विनाशक बाढ़ देखी और तकरीबन पूरा देश पानी में डूब गया।उसके बाद भारत में असम में, फिर मध्य प्रदेश से सटे राजस्थान के कुछ हिस्सों में अत्यधिक बारिश, और हाल ही में बेंगलुरू में बारिश के बाद बाढ़ जैसी स्थिति से किसानों को मॉनसून से पहले और बाद दोनों ही वक्त की फसल से भी हाथ धोना पड़ा ।

ग्लोबल वॉर्मिंग के कारण फसलों की घटती पैदावार का असर साफ़ दिखने लगा है पहले तपती गर्मी ने उत्तर भारत के यूपी और राजस्थान में इस बार खरीफ की फसल को वक्त से पहले ही तैयार कर दिया और कई जगह वह खराब भी हो गई और बाद में बेहिसाब बारिश ने फसल को चौपट कर दिया है। भीषण गर्मी को दखते हुए पहले ही कृषि वैज्ञानिकों ने आगाह कर दिया था कि गेहूं उत्पादन

2021-22 के फसल वर्ष में लगभग तीन प्रतिशत घटकर 10 करोड़ 68.4 लाख टन रहने का अनुमान है। मार्च से ही चलने लगी लू के कारण पंजाब और हरियाणा जैसे उत्तरी राज्यों में अनाज खराब हो गया और गेहूं के उत्पादन में गिरावट दर्ज हुई। दुनिया के दूसरे सबसे बड़े गेहूं उत्पादक देश भारत ने गेहूं उत्पादन में कमी के मद्देनजर गेहूं के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया। यही हाल शेष दलहनी फसलों और मोटे अनाज का रहा। बाढ़ का खाद्य उत्पादन पर विनाशकारी परिणाम जगजाहिर हैं। जलभराव से ज्यादातर फसलें नष्ट हो जाती हैं।

शर्म-अल-शेख जलवायु परिवर्तन महासम्मेलन (कॉप-27) में किसानों द्वारा लिखे गये खुले पत्र में किसानों, मछुआरों, चरवाहों और वन उत्पारदकों के 70 से अधिक संगठनों ने इस पत्र पर दस्ततखत किए हैं। इनमें पांच महाद्वीपों के साढ़े तीन करोड़ किसानों का प्रतिनिधित्वं करने वाला वर्ल्ड रूरल फोरम, महाद्वीप में 20 करोड़ लघु स्तररीय उत्पा्दकों की नुमाइंदगी करने वाला अलायंस फॉर फूड सॉवरेंटी, एक करोड़ 30 लाख सदस्योंघ वाला एशियन फार्मर्स एसोसिएशन फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट और लैटिन अमेरिका का कोऑर्डिनाडोरा डे मुजेरेस लिडेरेस टेरिटोरियल्स डे मेसोअमेरिका भी शामिल है। इसके अलावा जॉर्डन, ब्रिटेन और भारत के राष्ट्रीयि संगठनों ने भी इस पर हस्ताकक्षर किये हैं।

एक नये विश्लेषण से पता चलता है कि जी-20 देश की सरकारों ने पिछले दो वर्षों में उर्वरक आयात पर कम से कम 21.8 अरब डॉलर अधिक खर्च किए, जबकि नौ सबसे बड़ी उर्वरक कंपनियां 84 अरब अमेरिकी डॉलर के रास्ते पर हैं। ग्रेन एंड इंस्टीट्यूट फॉर एग्रीकल्चर एंड ट्रेड पॉलिसी की रिपोर्ट उर्वरक संकट से निपटने के लिए यूरोपीय आयोग के प्रस्तावों के प्रकाशन के साथ-साथ 15-16 नवंबर को जी-20 के राष्ट्राध्यक्षों के सामने जारी की जा रही है, जो उर्वरक को बढ़ावा देने की योजनाओं पर चर्चा करेगी। जी-20 देशों ने 2020 की तुलना में 2022 में उर्वरक आयात के लिए लगभग तीन गुना अधिक भुगतान किया। 2021-22 में उर्वरक आयात के लिए भारत ने कम से कम 4.8 बिलियन डॉलर, ब्राजील ने 3.6 बिलियन डॉलर और यूरोपियन यूनियन ने 3 बिलियन डॉलर अतिरिक्त धन खर्च किया।

यह तब है जब आज सारी दुनिया बखूबी समझ और जान चुकी है की रसायनो का खेती में इस्तेमाल सेहत के लिए खतरनाक है और सब देशों में ऑर्गेनिक यानी गोबर की खाद और प्राकृतिक कीट विनाशकों जैसे नीम आदि के उपयोग से रसायन रहित खाने का इस्तेमाल बढ़ रहा है। केवल खाना ही नहीं बल्कि हर्बल दवा में भी ऑर्गेनिक का इस्तेमाल आम है। ऐसे में केमिकल फर्टिलाइजर पर पैसा बहाने की जगह खेती में विविधता लाकर उसे पुरानी परिपाटी पर लाने की ज़रूरत है उसमें हाइब्रिड और जेनिटिकली मॉडिफाइड बनाने जैसे उच्च तकनीकी प्रयासों का नतीजा सिर्फ़ ढाक के तीन पात ही निकलेगा। हालांकि कम्पनियां अपने स्वार्थवश इस तरफ़ ज़ोर देंगी ।

हर साल खाद्य उत्पा।दन को सब्सिडी युक्तच करने में 611 बिलियन डॉलर खर्च किये जाते हैं। इसमें से अधिकांश रकम औद्योगिक और रसायन की बहुलता वाली खेती पर खर्च होती है जो लोगों के साथ-साथ पर्यावरण के लिये भी नुकसानदेह है। इस पत्र में कहा गया है कि एक गर्म धरती पर दुनिया के लोगों की भूख शांत करने लायक खाद्य प्रणाली का निर्माण करना सीओपी-27 शिखर बैठक की प्राथमिकता होनी चाहिए। अगली पीढ़ियों को खाना खिलाने के लिए जरूरी जानकारी, संसाधन और प्रशिक्षण सुनिश्चित करने को बड़े पैमाने पर बढ़ावा देने की जरूरत है।

(लेखिका प्रसिद्ध पर्यावरणविद हैं)

कच्चा तेल बढ़ाएगा संकट

भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक है और अपनी जरूरत का पिच्यासी फीदस कच्चा तेल आयात करता है। ऐसे में कच्चे तेल की कीमत में वृद्धि सीधे तौर पर भारतीय अर्थव्यवस्था को प्रभावित करती है। आयात महंगा होगा तो निश्चित तौर पर महंगाई बढ़ेगी। महंगाई बढ़ेगी तो अर्थव्यवस्था को नुकसान होगा।भारत के लिए अच्छी बात यह रही कि पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों से अपनी अर्थव्यवस्था को उबारने के लिए रूस सस्ते दर पर कच्चा तेल बेचने को राजी हो गया। भारत ने इसका लाभ भी उठाया। अप्रैल 2022 से अगस्त 2022 के दौरान रूस से कच्चे तेल का आयात पिछले साल की तुलना में पांच गुना बढ़ कर कुल आयात का लगभग सोलह फीदस हो गया।

पहले से सुस्त अर्थव्यवस्था का यह एक नया चरण होगा। ऊंची महंगाई दर और बेरोजगारी के बीच समाज का आचरण भी बदलेगा। ऐसे में यह कह पाना मुश्किल है कि भविष्य की तस्वीर कैसे संकट लिए होगी। महामारी के हालात सुधरने के बाद आर्थिक गतिविधियां शुरू ही हुई थीं कि रूस-यूक्रेन युद्ध छिड़ गया। आपूर्ति शृंखला एक बार फिर बाधित हुई। यूरोप, अमेरिका सहित दुनिया के कई देशों में महंगाई आसमान पर पहुंच गई। इसी बीच पश्चिमी देशों ने रूस पर सख्त आर्थिक प्रतिबंध लगा दिए। रूस दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल उत्पादक है। इसलिए कच्चे तेल की कीमतें चढ़ती गईं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारतीय हिस्से की जो कीमत अप्रैल 2022 में 102.97 डालर प्रति बैरल थी, वह जून 2022 आते-आते 116.01 डालर प्रति बैरल पहुंच गई। अमेरिका में महंगाई पर लगाम लगाने फेडरल रिजर्व मैदान में उतरा। उसने ब्याज दर बढ़ानी शुरू की। मार्च 2022 से अब तक फेड की ब्याज दर छह बार में 3.50 फीसद बढ़ कर चार फीसद तक हो चुकी है। यह सिलसिला हाल-फिलहाल थमने वाला नहीं। दिसंबर 2022 में एक और वृद्धि का संकेत है। फेड की ब्याज दर बढ़ने से जहां डालर मजबूत होता गया, वहीं भारत सहित अन्य देशों की मुद्राएं कमजोर होती गईं। डालर में भुगतान के कारण आयात महंगा होता गया। इससे महंगाई बढ़ती गई। ईंधन अर्थव्यवस्था का एक अनिवार्य अवयव है। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक है और अपनी जरूरत का पिच्यासी फीसद कच्चा तेल आयात करता है। ऐसे में कच्चे तेल की कीमत में वृद्धि सीधे तौर पर भारतीय अर्थव्यवस्था को प्रभावित करती है। आयात महंगा होगा तो निश्चित तौर पर महंगाई बढ़ेगी। महंगाई बढ़ेगी तो अर्थव्यवस्था को नुकसान होगा। भारत के लिए अच्छी बात यह रही कि पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों से अपनी अर्थव्यवस्था को उबारने के लिए रूस सस्ते दर पर कच्चा तेल बेचने को राजी हो गया। भारत ने इसका लाभ भी उठाया। अप्रैल 2022 से अगस्त 2022 के दौरान रूस से कच्चे तेल का आयात पिछले साल की तुलना में पांच गुना बढ़ कर कुल आयात का लगभग सोलह फीसद हो गया। सितंबर 2022 में हालांकि इसमें दो फीसद की गिरावट आई, फिर भी मौजूदा समय में भारत रूसी कच्चे तेल का चीन के बाद दूसरा सबसे बड़ा खरीददार है। रूसी तेल ने आयात बिल में काफी राहत दी। इसी दौरान दुनिया के सबसे बड़े तेल आयातक देश चीन में महामारी से बचाव के सख्त उपायों के कारण आर्थिक गतिविधियां थम गईं और कच्चे तेल की मांग घट गई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत नीचे आने लगी। भारतीय बास्केट के कच्चे तेल की औसत कीमत जुलाई 2022 में घट कर 105 ।49 डालर प्रति बैरल हो गई, अगस्त में 97 ।40 डालर, सितंबर में 90 ।71 डालर और अक्तूबर में औसत कीमत 91.70 डालर प्रति बैरल पर आ गई। लेकिन सरकार ने आम जनता को इसका कोई लाभ नहीं दिया। जून 2022 से अब तक पेट्रोल, डीजल की घरेलू कीमतें यथावत बनी हुई हैं। दुनिया में मंदी की आहट के बीच कच्चे तेल की कीमत और नीचे आने की उम्मीद थी। यदि ऐसा होता तो कम से कम सरकार को राजस्व के मोर्चे पर राहत मिलती। क्योंकि भारत अभी भी कच्चे तेल का सबसे ज्यादा आयात इराक से और उसके बाद सऊदी अरब से करता है। लेकिन तेल निर्यातक देशों के संगठन ओपेक प्लस को सस्ता तेल बेचना मंजूर नहीं था। दुनिया में कच्चे तेल की आपूर्ति में करीब अस्सी फीसद से अधिक की हिस्सेदारी रखने वाले तेईस देशों के इस समूह ने मांग घटने के साथ ही उत्पादन घटाने का निर्णय ले लिया, ताकि कच्चे तेल की कीमत नीचे न आने पाए। ओपेक प्लस के प्रतिनिधियों की चार अक्तूबर को वियना में हुई बैठक में नवंबर 2022 से उत्पादन बीस लाख बैरल प्रतिदिन घटाने का निर्णय लिया गया और अगले ही दिन नवंबर के लिए कच्चे तेल का वायदा 0.15 फीसद बढ़ गया। मांग और आपूर्ति के सिद्धांत पर संचालित बाजार में आपूर्ति कम होगी तो कीमत हर हाल में बढ़ेगी। ऐसे में मजबूत डालर और महंगा तेल महंगाई को किस ऊंचाई तक ले जाएंगे, उसे देखने के लिए हमें गर्दन ऊंचा करने का अभ्यास अभी से शुरू कर देना चाहिए। सरकार ने सस्ते तेल का लाभ आमजन के साथ भले साझा नहीं किया हो, लेकिन महंगे तेल का बोझ वह हर हाल में साझा करना चाहेगी। महंगाई की मौजूदा मार ही आम आदमी की कमर तोड़ रही है। जेब में पैसे नहीं तो भला बाजार कौन, क्यों और कैसे जाए! जब मांग घटेगी तो विनिर्माण को नीचे आना ही है। सितंबर 2022 में विनिर्माण का पीएमआइ (पर्चेजिंग मैनेजर इंडेक्स) अगस्त के 56.2 से घट कर 55.1 पर आ गया। अक्तूबर में हालांकि इसमें सुधार हुआ और यह 55.3 पर दर्ज किया गया। लेकिन इसी महीने बेरोजगारी दर बढ़ कर 7.77 फीसद हो गई। इससे इस संभावना को बल मिलता है कि अक्तूबर का विनिर्माण पीएमआइ त्योहारी मांग का परिणाम था। इसकी असल परीक्षा नवंबर के आंकड़े से हो जाएगी। ऐसा नहीं कि सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआइ) महंगाई को लेकर चिंतित नहीं हैं। लेकिन उनकी चिंता का कोई परिणाम निकल रहा हो, ऐसा भी नहीं है। महंगाई पर नियंत्रण के लिए आरबीआइ मई 2022 से लेकर अब तक अपनी नीतिगत ब्याज दर में 190 आधार अंकों की वृद्धि कर चुका है। लेकिन परिणाम वही ढाक के तीन पात। लगातार तीन तिमाहियों यानी नौ महीनों से महंगाई दर आरबीआइ की लक्षित अधिकतम सीमा छह फीसद से ऊपर बनी हुई है। नतीजा यह हुआ कि केंद्रीय बैंक को आरबीआइ अधिनियम,1934 की धारा 45 जेडएन और आरबीआइ एमपीसी एवं मौद्रिक नीति प्रक्रिया अधिनियम,2016 के नियम 7 के तहत एमपीसी की एक विशेष बैठक बुलानी पड़ी और सरकार को रपट भेजनी पड़ी।

नागरिक बोध

देश मे हररोज दुष्कर्म और हत्या के शर्मसार करने वाले मामले सुर्खियों में

श्रद्धा मर्डर केस के मामले पूरे देश मे हाहाकार मचाने वाली घटना से कठोर ह्दय व्यक्ति भी एक बार पसीज जाता है। निर्भया रेप के हत्या की उस घटना से देश को झकझोर कर रख दिया था। श्रद्धा के आरोपी को सजा जरूर मिलेगी। क्या आफ़ताब को सजा मिलने के बाद इस देश मे रेप केस में कमी आएगी? यह सिलसिला इसी तरह चलता रहेगा। एक के बाद एक इस देश मे घिनौनी हरकत सुबह अखबार की सुर्खियों में रहती है। चोर नही चोर की माँ को चोट करने वाली कहावत आज कुछ कह रही है। अखबार में या टीवी चैनल में ऐसी घटना को सुन पढ़कर सब खामोश हो जाते है। किसी को कोई गीले शिकवे नही है। हर रोज बेटियो के साथ दुष्कर्म के बाद हत्या इस समाज पर कलंक समान है। यह एक वास्तविकता रही है कि देश मे दुष्कर्म की घटनाओ में वृद्धि देखने को मिल रही है। देश मे बलात्कारियों को कोई डर नही है। दुष्कर्मियों को कानून का भय नही है तो समाज का कोई सरोकार नही है। युवक ने अश्लीलता धारण कर अपना और अपने परिवार का भला बुरा सोचने की

जगह अंधे होकर अपराध कर रहे है। देश में उत्तरप्रदेश आबादी के हिसाब से देश मे बड़ा राज्य है। यहाँ योगी के पहले सैकड़ो दुष्कर्म होते थे। यूपी का नाम जंगलराज के नाम से जाना जाता था। लेकिन फिर भी यूपी में आज भी दुष्कर्म की घटना प्रकाश में आ रही है। यह समाज की काली छाया है। जिसका कड़वा घूंट समाज पी रहा है। यौन शोषण से सुख प्राप्त करने वाले यह भूल जाते है कि इस घटना के बाद हमारा रास्ता जेल की सलाखों के पीछे है।हम खुल कर घूम नही सकते है। हम समाज मे बैठ नही सकते है। हम खुली हवा में सांस नही ले सकते है। हमारे पर कानून की बेड़ियि लगी हुई होगी। परन्तु उतेजना के बहाव में बह कर कानून हाथ मे ले लेते है।आज भी दुष्कर्म की घटनाओं में यूपी पहले स्थान पर है। यूपी में हररोज 11 दुष्कर्म होते है।कड़क कानून के बावजूद झांसा देकर दुष्कर्म किया जाता है। इसके बाद रोज की इस रूटिंग के बावजूद दुष्कर्म की घटनाओ में कमी आई है। योगी के शासनकाल में रेप की घटनाएं कम हुई है। नेशनल क्राइम ब्रांच की रिपोर्ट के अनुसार देश मे हररोज 86 दुष्कर्म रोज होते है। जिसका 13 प्रतिशत केवल यूपी में बलात्कार होते है। हर वर्ष रेप के मामले में कमी आ रही है। दुष्कर्मियों को पांच से दस साल की जेल और जघन्य अपराध और घिनौनी हरकत में फांसी की सजा का प्रावधान है। दुधमुंही बच्चियों के साथ दुष्कर्म और हत्या में फांसी की सजा का प्रावधन है। ऐसी घटनाओ में कठोर सजा का प्रावधान है। देश मे हररोज दुष्कर्म की घटनाओं में पड़ोसी और संबंधियो द्वारा दुष्कर्म किया जाता है। इन घटनाओं को समाज मे डर के कारण छुपाया भी जाता है। यह गलत है। चाहे कोई भी है।दुष्कर्म करने वाला रिस्तेदार ही क्यो नही है। उसके खिलाफ केस दर्ज कराना जरूरी हो जाता है। यूपी में पिछले सालों में दुष्कर्म के मामले में कमी आई है।उसकी वजह कड़क कानून का प्रावधान है। इसमें अज्ञान व्यक्ति ही दुष्कर्म करता है। क्योंकि रेपिस्ट को कानून की जानकारी नही होती है।

देश दुनिया से

रुपए की बदलती दुनिया

यह दिनोंदिन बढ़ती जा रही है। इसमें भी नकली नोटों के शामिल होने का भारी जोखिम बना हुआ है। डिजिटल मुद्रा इन समस्याओं का अंत मानी जा सकती है। डिजिटल क्रांति रुपए-पैसे की दुनिया का चेहरा कैसे बदल रही है, इसकी एक मिसाल भारत में देखने को मिलती है। वर्ष 2016 में जब नोटबंदी की गई थी, तब अनुमान लगाया गया था कि जल्द ही लोग डिजिटल भुगतान वाले विकल्पों की ओर बढ़ेंगे। कोई शक नहीं कि बीते पांच-छह वर्षों में देश में डेबिट और क्रेडिट कार्ड, नेट बैंकिंग और यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआइ) जैसे माध्यमों से डिजिटल भुगतान में काफी ज्यादा बढ़ोतरी हुई है। इंटरनेट और मोबाइल बैंकिंग, यूपीआइ और क्यूआर कोड जैसे तौर-तरीकों ने सब्जी मंडी, रेहड़ी-पटरी वाले दुकानदारों से लेकर पांच सितारा होटलों तक में भुगतान का परिदृश्य बदल दिया है। लेकिन अब एक नई क्रांति डिजिटल मुद्रा की शक्ल में होने जा रही है। भारत सरकार ने हाल में (1 नवंबर, 2022 से) देश में पहली बार रुपए को डिजिटल कर दिया। सरकार के आदेश पर रिजर्व बैंक ने थोक में डिजिटल रुपए को लेन-देन की प्रक्रिया में शामिल करने वाली परीक्षण परियोजना शुरू कर दी है। इसके संचालन का जिम्मा नौ बैंकों को सौंपा गया है। परियोजना के संतोषजनक नतीजे आने के महीने के भीतर रिजर्व बैंक खुदरा स्तर पर भी डिजिटल रुपए की परियोजना शुरू कर देगा। बात जब मुद्रा के डिजिटल स्वरूप की होती है, तो निश्चित रूप से बिटकाइन जैसी आभासी मुद्रा का उल्लेख प्रासंगिक हो जाता है। वर्ष 2009 से निजी तौर पर सृजित और संचालित की गई इस डिजिटल या कंप्यूटर से बनाई गई मुद्रा की ख्याति का नतीजा यह निकला कि आज दुनिया में दस हजार से ज्यादा आभासी मुद्राएं चलन में हैं। लेकिन इनकी सबसे अहम समस्या यह है कि इनका संचालन कोई सरकारी केंद्रीय बैंक नहीं कर रहा। इसी तरह इन मुद्राओं के बदले किसी संपत्ति का समर्थन नहीं मिलता, जैसे कि आम रुपए के बदले भारतीय रिजर्व बैंक धारक को रुपए की कीमत अदा करने का वचन देता है। चूंकि आभासी मुद्राओं से किसी संस्था या केंद्रीय बैंक की देयता नहीं जुड़ी है, इसलिए एकाध देशों को छोड़ कर उन्हें दुनिया में कहीं भी कानूनी मान्यता हासिल नहीं है। उल्लेखनीय है कि पिछले साल सितंबर में अफ्रीकी देश अल सल्वाडोर ने बिटकाइन को कानूनी मुद्रा का दर्जा जरूर दिया था, लेकिन ऐसे उदाहरण गिनती के ही हैं। इन्हीं कारणों से प्रायः सभी आभासी मुद्राएं भरोसेमंद नहीं हैं। डिजिटल रुपए को लेकर भारत सरकार की ओर से आधिकारिक बयान इस वर्ष केंद्रीय बजट 2022-23 पेश करते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने दिया था। उन्होंने बजट प्रस्तुत करते हुए कहा था कि भारतीय रिजर्व बैंक भी जल्दी ही डिजिटल रुपया पेश करेगा। यह भारत की अपनी केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा (सेंट्रल बैंक डिजिटल करंसी- सीबीडीसी) होगी। प्रस्तावित योजना के मुताबिक सीबीडीसी एक प्रकार का डिजिटल भुगतान तरीका है, जिसे भारतीय रुपए (राष्ट्रीय मुद्रा) के रूप में अंकित किया गया है। इस डिजिटल रुपए के धारक को भारत के केंद्रीय बैंक की तरफ से प्रत्यक्ष देयता का आश्वासन मिलेगा। इसमें भी सबसे उल्लेखनीय यह है कि मुद्रा के इस डिजिटल स्वरूप की कीमत भारतीय रिजर्व बैंक में रखे भौतिक नकद रुपए या उसके भंडार के बराबर ही होगी, जो डिजिटल रुपए के धारकों के लिए सबसे अहम आश्वासन है। इसका अर्थ यह है कि डिजिटल रुपए को भौतिक रुपए के समान संप्रभु गारंटी हासिल होगी। ऐसे में इसके मूल्य में समय-समय पर वही परिवर्तन या अंतर आएगा, जो भौतिक नकद रुपए की कीमत में आता है। वैसे तो ई-रुपए रिजर्व बैंक द्वारा जारी मुद्रा नोटों का डिजिटल रूप ही है। यानी यह बैंक नोटों से अलग नहीं है। फर्क यदि कोई है तो यह है कि डिजिटल मुद्रा होने के कारण इसके जरिए कोई भी लेन-देन बहुत त्वरित, सस्ता और आसान होगा। साथ ही भौतिक नोटों के मुकाबले इसके मुद्रण (छपाई-ढलाई), वितरण और भंडारण की लागत बहुत कम होगी। पर ई-रुपए के ज्यादा लाभ सुविधा, पारदर्शिता और सुरक्षा के संबंध में है।

भारत सरकार ने हाल में (1 नवंबर, 2022 से) देश में पहली बार रुपए को डिजिटल कर दिया। सरकार के आदेश पर रिजर्व बैंक ने थोक में डिजिटल रुपए को लेन-देन की प्रक्रिया में शामिल करने वाली परीक्षण परियोजना शुरू कर दी है। इसके संचालन का जिम्मा नौ बैंकों को सौंपा गया है। परियोजना के संतोषजनक नतीजे आने के महीने के भीतर रिजर्व बैंक खुदरा स्तर पर भी डिजिटल रुपए की परियोजना शुरू कर देगा।बात जब मुद्रा के डिजिटल स्वरूप की होती है, तो निश्चित रूप से बिटकाइन जैसी आभासी मुद्रा का उल्लेख प्रासंगिक हो जाता है। वर्ष 2009 से निजी तौर पर सृजित और संचालित की गई इस डिजिटल या कंप्यूटर से बनाई गई मुद्रा की ख्याति का नतीजा यह निकला कि आज दुनिया में दस हजार से ज्यादा आभासी मुद्राएं चलन में हैं।

आर एन आई (टी सी) नं- JHAHIN01027,स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक डॉ सिकन्दर कुमार द्वारा माँ भवानी आर्ट भागलपुर रोड नीयर सिनेमा हॉल दुधानी दुमका से मुद्रित एवं झारखण्ड देखो कार्यालय मजिस्ट्रेट कॉलोनी बंदरजोरी, दुमका से प्रकाशित,
प्रधान संपादक डॉ सिकन्दर कुमार, मोबाइल नं-9955599136(इस अंक में प्रकाशित समाचारों का चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी)

आसान उपायों से निखारें सौंदर्य

आज की युवा पीढ़ी से पूछा जाए कि आप अपने सौंदर्य को निखारने के लिए क्या करते हैं तो उनका जवाब होगा कि मार्कीट में इतने ब्यूटी प्रोडक्ट्स हैं, उनके प्रयोग ये हम सुंदर बन सकते हैं पर वे शायद उन उत्पादों में मिले तेज रसायनों के कुप्रभाव से वाकिफ नहीं हैं।

बाजारी प्रोडक्ट्स त्वचा को रूखा बनाते हैं और त्वचा में खिंचाव लाकर त्वचा की प्राकृतिक नमी समाप्त कर देते हैं। परिणामस्वरूप त्वचा बेजान और कांतिहीन लगने लगती है। यदि हम कुछ प्राकृतिक चीजों पर ध्यान दें तो हम त्वचा की प्राकृतिक नमी को बचा सकते हैं और अपनी त्वचा पर होने वाले कृप्रभावों से भी बच सकते हैं।

तनावमुक्त त्वचा निखारती है सौंदर्य : मनुष्य को प्राय : तीन तनाव होते हैं मानसिक, शारीरिक और भावात्मक। इन तीनों तनावों में से यदि एक भी तनाव साथ है तो त्वचा अपनी प्राकृतिक सुंदरता खोने लगती है। आप दिन भर शारीरिक काम अधिक करती हैं तो कुछ अंतराल बाद थोड़ा ब्रेक लें। आप दिमागी काम अधिक करते हैं तो बीच में थोड़ी झपकी ले लें। कुछ देर बाहरी प्राकृतिक वातावरण का आनंद लें या फिर अपनी पसंद का म्यूजिक सुनें।

कभी-कभी परिवार में कुछ ट्रैजेडी हो जाती है जिससे आप भावनात्मक रूप से जुड़े होते हैं, तब भी आप तनावग्रस्त रहते हैं। ऐसे में सच्चाई को पहचानें और स्वयं को किसी दूसरे काम में लगाकर व्यस्त करें ताकि तनाव दूर हों। प्रयास करके तनावों से दूर रहें ताकि त्वचा खिली रह सके।

सकारात्मक सोच अपनाएं : जो लोग चिंताग्रत रहते हैं, उनकी नमी प्रदान करने वाली ग्रंथियां गड़बड़ा जाती हैं जिससे त्वचा पर रूखापन, लकीरें और झर्रियां उम्र से पहले दिखने लगती हैं। इससे बचने के लिए अपनी सोच को सकारात्मक रखें। स्वयं अच्छा प्रयास करें। परिणाम ऊपर वाले पर छोड़ दें।

त्वचा की रखें साफ-सफाई : त्वचा को साफ और निखरा हुआ रखने के लिए त्वचा की सफाई पर विशेष ध्यान देना चाहिए। त्वचा की क्लीजिंग टोनिंग और मॉइश्चराइजिंग करें। त्वचा की स्क्रबिंग करें। सप्ताह में एक बार गुनगुने पानी से स्नान करें। दो चम्मच आटे में एक चम्मच बादाम रोगन मिलाकर एक मिनट तक लगाएं, फिर हल्के हाथों से रगड़ कर साफ करें और चेहरा धो लें। ऐसा करने से प्रदूषण की जमी परत त्वचा से हट जाएगी और त्वचा निखरी-निखरी लगेगी।

शरीर की मालिश करें : यदि हम नियमित रूप से तेल मालिश करें तो हमारी त्वचा काफी समय तक युवा बनी रह सकती है। रोजाना नहाने से पूर्व सारे शरीर पर हल्की तेल मालिश करें और कुछ समय बाद यानी कम से कम 40-45 मिनट बाद स्नान करें। यदि समय की कमी हो तो नहाते समय पहले शरीर गीला कर साबुन आदि लगाकर त्वचा साफ कर लें। फिर हथेलियों में तेल लेकर टांगों, बाजुओं, गर्दन व पैरों पर लगाएं। बाद में फिर से पानी से नहा लें। तेल के बाद त्वचा पर साबुन न लगाएं। फिर हल्का पोंछ कर कपड़े पहन लें। इससी भी त्वचा में कुदरती नमी बनी रहेगी और त्वचा में जल्दी झुर्रियां भी नहीं पड़ेंगी।

खुशी का दामन न छोड़ें : जो लोग खुश रहते हैं उनकी त्वचा आभायुक्त होती है क्योंकि त्वचा में नमी का संतुलन बना रहता है और रक्त संचार भी ठीक रहता है। खुश रहेंगे तो तनाव भी परेशान नहीं करेंगे। ऐसे में छोटी-छोटी समस्याओं पर आप आसनी से काबू पा सकेंगी।

अपने लिए समय अवश्य निकाले : कितने भी व्यस्त क्यों न हों पर अपने लिए समय अवश्य निकालें। अपने समय में अपनी पसंद का काम करें चाहे वह डांसिंग हो, म्यूजिक सुनने का हो या म्यूजिक इंस्ट्रूमैंट बजाने का, शापिंग करना, पिक्चर देखना या अपने किसी खास मित्र से गप्पें मारने का। चाहें तो उस समय में आप अपनी साफ-सफाई पर भी ध्यान दे सकते हैं। इस प्रकार अपने लिए अपनी पसंद का किया काम या बिताया समय आपको एनर्जी से भर देगा। आप एनर्जेटिक रहेंगी तो त्वचा तो खिली रहेगी ही।

इसके अतिरिक्त अपने पैरों का पैडीक्योर और हाथों का मैनीक्योर करें। कोहनियों-घुटनों की सफाई कर उट पर क्रीम लगाएं। सप्ताह में इस प्रकार की गई एक बार की सफाई आपकी त्वचा को पोषण देगी और मन को प्रफुल्ल रखेगी।

मठरी

सामग्री :

आधा किलो गेहूं का आटा, 50 ग्राम सफेद तिल, 1 किलो शक्कर और तलने के लिए देसी घी।

विधि :

गेहूं के आटे में तिल और पानी डालकर आटे को गूंथ लें। आटे की छोटी-छोटी व मोटी मठरियां बेलें, बेलने के लिए बाद मठरी में एक छेद कर दें। पैन में घी गर्म करें और धीमी आंच पर पूरियों को तल लें। दो तार की चाशनी बना लें। मठरियों को चाशनी में डालें और थोड़ी देर बाद निकाल कर रख दें।

शॉपिंग मेनिया

आप चाहे विंडो शॉपिंग के लिए या टाइम पास के लिए भी शॉपिंग माल में घूमने जाते हैं तो भी बेवजह शॉपिंग तो हो ही जाती है। कुछ लोग शॉपिंग न करना चाहते हुए भी शॉपिंग किए बिना नहीं रह पाते। वे शॉपिंग- मेनिया का शिकार हो ही जाते हैं ।

पुरूष हो या महिला, बाजार में शॉपिंग करने के लिए उनका मन हमेशा लालायित रहता है। आज हर आयु वर्ग से संबंधित चीजों से बाजार भरे पड़े हैं। मामला चाहे फैशन का हो, होम-डैकोरेशन का हो, सैनेटरी का हो या फिर खाने-पीने की चीजों का हो, हाथ में रूपए आने भर की देर है कि हम पर शॉपिंग का भूत सवार होने लगता है।

हम उन रूपयों को संभाल कर बचत के रूप में भी तो रख सकते हैं लेकिन नहीं जी, बेवजह बाजार जाकर शॉपिंग करना हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है।

आमतौर पर देखा जाता है कि मोहल्ले में पड़ोसनें हों या दो कालेज फ्रैंड्स या फिर देवरानी-जेठानी उन्हें यह कहते हम अक्सर सुन सकते हैं कि बड़े दिन हो गए बाजार गए। आज जल्दी से सारा काम करके विंडो शॉपिंग पर चलते हैं। आगर कुछ पसंद आ गया तो खरीद लेंगे और मूड भी फ्रैश हो जाएगा।

आप चाहे विंडो शॉपिंग के लिए या टाइम पास के लिए भी शॉपिंग माल में घूमने जाते हैं तो भी बेवजह शॉपिंग तो हो ही जाती है। कुछ लोग शॉपिंग किए बिना नहीं रह पाते। वे शॉपिंग-मेनिया का शिकार हो जाते हैं।

उनकी यह आदत उनकी फिजूलखर्ची में बदल जाती है। यदि आप इसका शिकार हो गए हैं तो नीचे दिए गए टिप्स को ध्यान से आजमा कर शॉपिंग-मेनिया से मुक्ति पा सकते हैं।

शॉपिंग की प्लानिंग करें

सबसे पहले जरूरी सामन की लिस्ट बनाएं व शॉपिंग करते समय अपनी प्राथमिकताओं को महत्व दें। आपके पास कितनी राशि है और कितना आपको खर्च करना है। यानी अपने बजट के हिसाब से खरीदारी तय करें। इससे आप फिजूलखर्ची से बचे रहेंगे। बाजार जाते समय अपने पर्स में आने-जाने के व्यय के अतिरिक्त उतने ही पैसे रखें जितनी आवश्यकता हो।

शॉपिंग स्टोर्स तय करें

आपको किस चीज की शॉपिंग करनी है, उससे संबंधित एक या दो ऐसे स्टोर्स मन में तय कर लें जहां आपको आपकी पसंद की चीज आसानी से मिल जाए और आपके बजट में भी हो। ज्यादा दुकानों पर घूमने की कोशिश न करें क्योंकि जितनी ज्यादा विंडो शॉपिंग करेंगे तो कहीं न कहीं से बेकार में चीजें खरीदने की धुन आप पर सवार होने लगेगी । नए-नए डिस्काऊंट कूपन या सेल देखकर आप शॉपिंग किए बिना नहीं रह पाएंगे। हां, विंडो शॉपिंग करते हुए बहुत जरूरी सामान अवश्य खरीदें।

बच्चों को कम से कम साथ ले जाएं

जब भी बच्चों को आप अपने साथ शॉपिंग पर ले जाते हैं तो कई मामलों में उनकी जिद के आगे आपको झुकना ही पड़ता है। उदाहरण के लिए जंक फूड हो या खिलौने, बच्चे लाख समझाने पर भी समझौता करना पसंद नहीं करते। आजकल तो खिलौने भी इतने महंगे होते हैं कि उन्हें खरीदते वक्त बजट भी हिल जाता है लेकिन जब हम अपने बच्चे के मुंह पर खुशी देखते हैं तो मन कहता है कि कोई बात नहीं लेकिन उनकी खुशी में हम यह भूल जाते हैं कि किसी अन्य दुकान पर उसे दूसरा खिलौना पसंद आ गया तो ? अत: जहां तक हो सके बच्चों को घर छोड़ कर ही शॉपिंग करने जाएं। उन्हें बचपन से बचत की आदत डलवाएं और धन की अहमियत समझाएं।

आय-व्यय का हिसाब रखें

अपने पास एक छोटी नोटबूक रखें जिसमें अपनी आय और व्यय का पूरा हिसाब लिखें। बेवजह खर्चों पर कंट्रोल करके कहां बचत की जा सकती है, ध्यान दें। कम चीजों में काम चलाना सीखें। महीने के आखिर में देखें कि आपने कितना खर्च किया और कितना बचाया। यदि घर में किसी पार्टी का

शूगर ओवरलोड के खतरे

शाम होते ही किसी भी व्यक्ति का मन कुछ मीठा खाने को होता है चाहे यह चॉकलेट हो, आइसक्रीम हो या और कुछ। यदि आपकी आदत भी ऐसी है तो यकीनन कहा जा सकता है कि आपको मीठे का बहुत शौक है। इस संबंध में एक बात आपको अवश्य ध्यान में रखनी कई बीमारियों को निमंत्रण देता है।

मैक्रोबायोटिक्स विशेषज्ञों के अनुसार बुरा बैक्टीरिया हमेशा ग्लूकोज का सेवन पसंद करता है। जितना अधिक यह बैक्टीरिया ग्लूकोज का सेवन करता है हमारे मन में मीठे के प्रति चाहत बढ़ती जाती है। विशेषज्ञों का मानना है कि हमारा शरीर शूगर के इस बोझ को सहन करने में सक्षम नहीं है। अधिक मीठे के अतिरिक्त अल्कोहल, ब्रैड, पैक किए जूस इत्यादि भी उतने ही खतरनाक हैं। हमारा शरीर इतनी अधिक मात्रा में मीठे को जज्ब करने में सक्षम नहीं है और इसके परिणामस्वरूप डायबिटीज तथा कैंसर जैसे रोग हो सकते हैं। इससे थाइरॅयड तथा एड्रेनालिन ग्रंथियों, ऊर्जो के स्तरों तथा भावनात्मक स्वास्थ्य की कार्यप्रणाली पर प्रभाव पड़ता है।

लक्षण : मीठे की अधिकता यानी शूगर ओवरलोड से निम्नलिखत लक्षण सामने आ सकते हैं-

रैड पिंपल्स :रैड पिंपल्स यानी मुंहासे उस फंगी से बहुत नजदीक से जुड़े हुए हैं जो शूगर का सेवन करती है। यदि आप मीठे की अधिक शौकीन हैं तो यकीनन ये आपके चेहरे पर उभर आएंगे।

कैंडीड इन्फैक्शन : यदि आपके खाने में शूगर की मात्रा बहुत अधिक है तो यह आपके गुप्तांग वाले भाग में इन्फैक्शन का कारण हो सकती है। इसके साथ ही इरीटेबल बोवैल सिंड्रोम का भी खतरा रहता है। इसमें गैस, डायरिया तथा कब्ज की शिकायता शामिल है।

एंटीबायोटिक्स :लम्बी अवधि तकएंटीबायोटिक्स तथा एंटैसिड्स का सेवन बुरे बैक्टीरिया के फैलाव को बढ़ा सकता है। बुरा बैक्टीरिया अच्छे बैक्टीरिया को मार देता है क्योंकि अच्छा बैक्टीरिया बुरे बैक्टीरिया को नियंत्रण में रखता है। परिणामस्वरूप आपके मन में मीठा खाने की अधिक इच्छा जागृत होती है।

बालों का झड़ना : ब्लड शूगर के उच्च स्तर के कारण महिलाओं में भी बाल गिरने की समस्या पैदा हो सकती है। यह अक्सर डायबैटिक रोगियों में देखने को मिलती है। ऐसी अवस्था में ब्लड शूगर की जांच करवाना जरूरी हो जाता है।

बढ़ा हुआ पेट: यदि आपके पेट के आसपास अत्यधिक चर्बी बढ़ रही है तो आपकी शूगर एडिक्शन इसका कारण हो सकती है।

चेहरे का थुलथुलापन : शूगर का अत्यधिक सेवन करने से आपको चेहरे में थुलथुलापन पैदा हो सकता है।

कैसे बचें : विशेषज्ञों की राय में शूगर के अधिक सेवन से बचने के लिए निम्नलिखित बातों को ध्यान रखें-

- दानेदार खाद्य चबाने की प्रक्रिया के माध्यम से प्राकृतिक रूप से पैदा होने वाली शूगर को रिलीज करते हैं।
- पत्तागोभी, गाजर, प्याज, कद्दू तथा शकरकंदी प्रकृतिक शूगर के बढ़िया स्त्रोत हैं।
- हरी सब्जियां आपके मन में मीठे के प्रति चाहत को कम करती हैं।
- अल्कोहल के माध्यम से भी शूगर आपके शरीर में बढ़ती है।
- गुड़ तथा शहद हालांकि साधारण शूगर की श्रेणी में आते हैं परंतु हैं तो शूगर ही इसलिए इनसे भी बचें।
- स्टीविया शूगर का एक प्राकृतिक विकल्प है। इसका ब्लड शूगर ग्लूकोज पर बहुत कम प्रभाव पड़ता है और यह सामान्य शूगर के मुकाबले 300 गुना अधिक स्वादिष्ट है।

हेल्थ प्लस

आंवला : सर्दियों का अमृत फल

देखने में छोटा और स्वाद में कसैला आंवला हमारे स्वास्थ्य के लिए अत्यंत उपयोगी फल है। इसके गुणों के कारण ही इसे अमृतफल कहा गया है। आंवले में विटामिन 'सी' की प्रचुरता होती है और इसमें संतरे से भी लगभग 20 गुना अधिक विटामिन 'सी' होता है। आंवला रक्त साफ करता है, हाजमे को दुरुस्त करता है। मानसिक विकास में सहायता देता है और शरीर को रोगों से मुक्त करता है। आंवला पीलिया, एसिडिटी और तपेदिक में भी लाभप्रद है। अलग-अलग तरह से इसका प्रयोग करने से अलग-अलग बीमारियों में इसके प्रभाव चमत्कारिक होते हैं। एक तोला आंवले का चूर्ण रोज दूध के साथ लेने से रक्त शुद्ध होता है और त्वचा संबंधी रोग दूर होते हैं। रात को सोते समय रोज आंवले का चूर्ण शहद या पानी से लेने से पेट साफरहता है और आंखों से संबंधित रोगों में लाभ मिलता है। सूखे आंवले को शुद्ध घी में तलकर पीस लें, इस चूर्ण का सिर पर लेप करने से नकसीर में लाभ मिलता है। सूखे आंवले के चूर्ण को चमेली के तेल में मिलाकर लगाने से खुजली दूर हो जाती है। आंवले का रस उपयोग करने पर पेट के कीड़े नष्ट हो जाते हैं। आंवले को चबाने से दांत मजबूत होते हैं और इसका रस दांतों पर लगाने से पायरिया में लाभ मिलता है। भोजन को पचाने और मुंह को साफ करने के लिए आंवले की सुपारी का उपयोग किया जाता है।

ओस्टियोपोरोसिस से बचाव

हड्डियों से संबंधित रोगों की सर्वाधिक आम किस्मों में ओस्टियोपोरोसिस एक है। इसकी पहचान है हाड्डियों के पुंज(Mass)का कम होना और इसके ऊतकों (Tissues) का क्षरण। इसके कारण हड्डियों की सघनता (Density) घटती जाती है और परिणामस्वरूप रीढ़ के जोड़ों में फ्रैक्चर्स होने लगते हैं। ये फ्रैक्चर्स आमतौर पर पीठ के निचले हिस्से में होते हैं। हालांकि हड्डियों के इस रोग के लक्षण बड़ी उम्र में ही उभरते हैं परन्तु यदि युवावस्था में ही सही ध्यान रखा जाए तो ओस्टियोपोरोसिस से बचा जा सकता है।

हड्डियों का क्षरण करने वाला यह रोग आमतौर पर वृद्धों तथा रजोनिवृत्ति से पहले महिलाओं में आमतौर पर देखा जाता है।

रजोनिवृत्ति के बाद किसी महिला में ओएस्ट्रोजन लैवल गिरना शुरू हो जाता है और इसके परिणामस्वरूप हड्डियों का अवशोषण शुरू हो जाता है। पुरूषों में ओस्टियोपोरोसिस टैस्टोस्टीरोन के निम्न स्तर के कारण हो सकता है।

कई अन्य कारणों से भी ओस्टियोपोरोसिस हो सकता है जैसे कोर्टिको स्टीरॉयड्स का प्रयोग (आमतौर पर इनका प्रयोग अस्थमा तथा अन्य विरल रोगों में होता है), थाइरॉयड हार्मोन की कमी तथा जीवनशैली में बदलाव। मद्यपान तथा धूम्रपान से बचना ही चाहिए क्योंकि इनसे हड्डियों के पुंज का क्षरण होता है और ओस्टियोपोरोसिस का खतरा बना रहता है।

जब यह रोग व्यसकों को प्रभावित करता है तो इसे 'ओस्टोमैलेशिया' कहा जाता है। छोटी उम्र के लोगों में ओस्टियोमैलेशिया कैल्शियम की कम खपत, सूर्य की रोशनी के साथ पर्याप्त संपर्क न बना पाने तथा बार-बार गर्भधारण के कारण होता है जिससे हड्डियों के पुंज का हास होता है।

हड्डियों के इस रोग से बचने के लिए नियमित कसरत के साथ-साथ पोषक तत्वों की पर्याप्त खपत बहुत महत्वपूर्ण है. ताकतवर हड्डियों के लिए कैल्शियम की

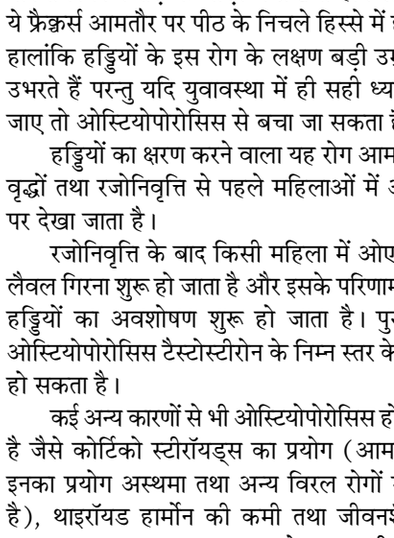

पर्याप्त खपत जरूरी है। इसके साथ ही किशोरावस्था में हड्डियों के पर्याप्त पुंज का विकास कर लेना चाहिए ताकि यह आसानी से कम न हो सके। कैल्शियम के अवशोषण में विटामिन 'डी' की खपत काफी सहायक होती है और इससे हड्डियों का नवीकरण सुनिश्चित होता है। ताकतवर हड्डियों के लिए शारीरिक गतिविधि तथा वजन सहने वाली कसरत करनी चाहिए ।

चूंकि महिलाओं को पुरूषों के मुकाबले इस रोग का अधिक खतरा रहता है इसलिए 40 वर्ष से ऊपर की आयु वाली महिलाओं को विशेषज्ञ डाक्टर की सलाह लेनी चाहिए ताकि साधारण चोटों के कारण हड्डियों के टूटने से बचा जा सके। रजोनिवृत्ति के बाद ओएस्ट्रोजन सप्लीमैंट लिए जाने चाहिएं। आजकल बहुत सी दवाइयां बाजार में उपलब्ध हैं। यदि उचित दवाइयों का सेवन किया जाए तो रीढ़ की हड्डी की विकृतियों से बचा जा सकता है।

मधुर भंडारकर की फिल्म इंडिया लॉकडाउन का ट्रेलर रिलीज, दिखा कोरोना काल का दर्द

भारत के लॉकडाउन पर बनी फिल्म इंडिया लॉकडाउन का टीजर आने के बाद से ही इसके ट्रेलर का इंतजार था, जो अब आखिरकार पूरा हो गया है। फिल्म का ट्रेलर दर्शकों के बीच आ गया है, जो लोगों के बीच काफी चर्चा में है। फिल्म के निर्देशक मधुर भंडारकर हैं और उन्होंने भी सोशल मीडिया पर ट्रेलर रिलीज की जानकारी अपने प्रशंसकों को दी है। आइए देखते हैं कैसा है फिल्म इंडिया लॉकडाउन का ट्रेलर।

भंडारकर ने इंस्टाग्राम पर ट्रेलर शेयर कर लिखा, हमारे साथ कोरोना महामारी की अनसुनी और अनकही कहानियों के साक्षी बनें। कोरोना काल में देशभर में लगे लॉकडाउन के चलते जीवन कितना अव्यवस्थित हो गया था, उसकी बानगी ट्रेलर में देखने को मिलती है। इसमें हर वर्ग के हालातों को बखूबी दिखाया गया है। गरीबी तबके के लोगों के लिए महामारी कितनी बुरी साबित हुई, उन्हें क्या कुछ झेलना पड़ा, सबकी कहानियां भंडारकर ने अपनी फिल्म में उठाई हैं।

ट्रेलर देख आप भी उस माहौल को याद कर सहम जाएंगे और इसे खुद से जोड़ पाएंगे। संघर्ष, दुख और दर्द से लबरेज फिल्म का ट्रेलर आपकी आंखें नम कर देगा। दो साल की त्रासदी को भंडारकर ने बड़े अच्छे से पर्दे पर परोसा है।

इंडिया लॉकडाउन की कहानी दिल्ली, मुंबई जैसे महानगर में काम की खातिर आने वाले प्रवासी मजदूरों के इर्द-गिर्द घूमती हुई दिखाई देगी, जो महामारी के चलते शहरों से पैदल ही पलायन करने लगे थे। इस फिल्म में प्रतीक बब्बर और श्वेता बसु प्रसाद और अहाना कुमरा मुख्य भूमिका में नजर आने वाली हैं। फिल्म का निर्माण मधुर भंडारकर और डॉ. जयंतीलाल गड़ा ने मिलकर किया है। इंडिया लॉकडाउन अगले महीने 2 दिसंबर को ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर रिलीज होगी।

राम गोपाल वर्मा ने भी लॉकडाउन के दौरान कोरोना वायरस नाम की एक फिल्म बनाई थी, जो एक तेलुगु थ्रिलर ड्रामा थी। अगस्त्य मंजू ने इस फिल्म के निर्देशन की कमान संभाली थी। इसके बैकड्राप में लॉकडाउन था। फिल्म में एक परिवार की कहानी दिखाई गई थी, जो महामारी के दौरान कोरोना से संक्रमित हो जाता है। कल्याण राघव ने इस फिल्म की कहानी लिखी थी। सोनिया अकुला केशव दीपक और श्रीकांत अयंगर ने फिल्म में अहम भूमिका निभाई थी।

भंडारकर किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं। वह एक मशहूर निर्देशक, निर्माता और स्क्रीन राइटर हैं। उन्होंने एक से बढ़कर एक फिल्में बनाई हैं। फिल्म चांदनी बार के लिए उन्हें राष्ट्रीय पुरस्कार से भी नवाजा जा चुका है। इसके अलावा पेज 3, ट्रैफिक सिग्नल और फैशन में भी उनके काम को खूब सराहना मिली। कॉर्पोरेट और इंदु सरकार भी उनकी अच्छी फिल्मों में शुमार हैं। पिछली बार वह फिल्म बबली बाउंसर लेकर आए थे, जिसमें तमन्ना भाटिया थीं।

नेहा मलिक के हॉट अवतार ने इंटरनेट पर लगाई आग

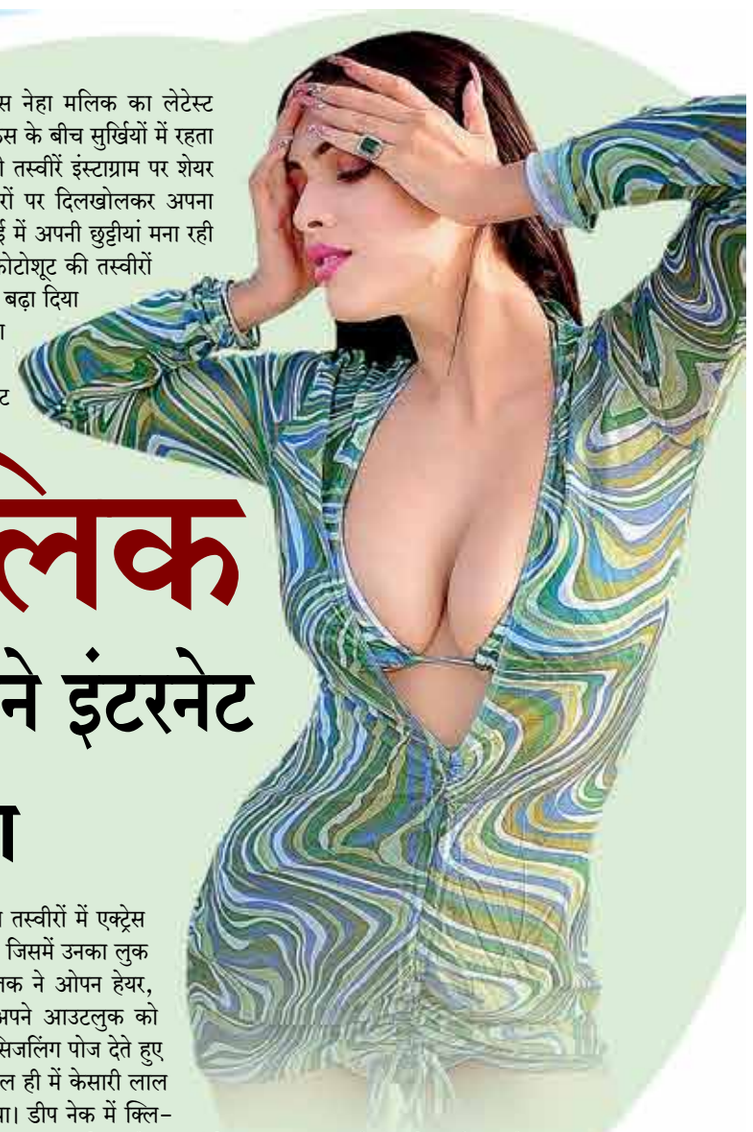

एक्ट्रेस नेहा मलिक का लेटेस्ट फोटोशूट हमेशा फैंस के बीच सुर्खियों में रहता हैं। एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर करते हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर दिलखोलकर अपना प्यार लूटाते हैं। एक्ट्रेस इन दिनों दुबई में अपनी छुट्टीयां मना रही हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरों से एक बार फिर सोशल मीडिया का तापमान बढ़ा दिया है। अभिनेत्री नेहा मलिक हमेशा अपने स्टाइलिश और बोल्ड लुक्स से फैंस को इंप्रेस करना कभी नहीं भूलती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट बोल्ड लुक्स की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में एक्ट्रेस नेहा मलिक ने ग्रीन कलर का शॉर्ट ड्रेस पहना हुआ है, जिसमें उनका लुक बेहद ही बोल्ड नजर आ रहा है। एक्ट्रेस नेहा मलिक ने ओपन हेयर, लाइट मेकअप और सनग्लासेस कैरी कर के अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। इन तस्वीरों में नेहा मलिक सिजलिंग पोज देते हुए हॉट फोटोशूट करवा रही हैं। एक्ट्रेस को हाल ही में केसारी लाल के साथ तेरे मेरे दर्मिया में देखा गया था। डीप नेक में क्लिवेज फ्लॉन्ट करते हुए एक्ट्रेस ने एक बार फिर सोशल मीडिया का पारा गर्म कर दिया है। एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। बता दें कि नेहा मलिक की इंस्टाग्राम पर जबरदस्त फैन फॉलोइंग है। नेहा मलिक जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर जमकर लाइक्स और कॉमेंट्स करते हैं।

टाइगर 3 के बाद शाहरुख खान की जवान में हुई रिद्धि डोगरा की एंट्री

लगता है जैसे टीवी अभिनेत्री रिद्धि डोगरा के सितारे बुलंदियों पर हैं। हाल में खबर आई थी कि वह सलमान खान की फिल्म टाइगर 3 में शामिल हो गई हैं। अब सुनने में आ रहा है कि उनकी एंट्री दिग्गज अभिनेता शाहरुख खान की फिल्म जवान में हो गई है। हालांकि, इसको लेकर आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। इस फिल्म का निर्देशन साउथ के जाने-माने फिल्ममेकर एटली कर रहे हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, शाहरुख की जवान की टीम में अभिनेत्री रिद्धि को शामिल कर लिया गया है। वह फिल्म में छोटी, लेकिन महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आ सकती हैं। यहां तक कि उन्होंने फिल्म के मुंबई और चेन्नई शेड्यूल की शूटिंग भी की है। एक सूत्र ने बताया, रिद्धि शाहरुख की बहुत बड़ी फैन हैं और जवान में काम करना उनके लिए सपने के सच होने जैसा लम्हा रहा है। उन्होंने इस फिल्म की शूटिंग में काफी मस्ती की।

रिद्धि को ए कोल्ड मेस और द मैरिड वुमन जैसे टीवी सीरीज में देखा गया है। वेब सीरीज असुर में भी उन्होंने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई थी। इसमें उनके साथ अभिनेता अरशद वारसी नजर आए थे। मर्यादा: लेकिन कब तक?, सावित्री, लागी तुझसे लगन और वो अपना सा जैसे शोज में काम करके उन्होंने घर-घर में अपनी पहचान बनाई। यदि जवान तय तारीख को यानी 2 जून को रिलीज होगी, तो यह उनकी बॉलीवुड डेब्यू फिल्म होगी।

शाहरुख अभिनीत जवान की शूटिंग पिछले साल सितंबर में शुरू हुई थी। अब तक इस फिल्म को पुणे, मुंबई, हैदराबाद और चेन्नई में शूट किया गया है। इसकी शूटिंग फिलहाल मुंबई में चल रही है। इसका वर्तमान शेड्यूल 18 अक्टूबर को शुरू हुआ था और यह नवंबर के तीसरे सप्ताह तक चलेगा। इस महीने के अंत में शाहरुख इस प्रोजेक्ट से ब्रेक लेकर राजकुमार हिरानी की डंकी की शूटिंग के लिए विदेश जाएंगे।

शाहरुख की जवान हिंदी, तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ में दर्शकों के बीच आएगी। शाहरुख रेड चिलीज एंटरटेनमेंट के तले इस फिल्म का निर्माण कर रहे हैं। चर्चा है कि फिल्म में शाहरुख डबल रोल में होंगे। एक किरदार गैंगस्टर के बेटे का है, तो वहीं दूसरा किरदार रॉ अधिकारी का है। नयनतारा, विजय सेतुपति, योगी बाबू, प्रियामणि, सुनील ग्रोवर, सान्या मल्होत्रा जैसे कलाकार इस फिल्म की शोभा बढ़ाएंगे।

शाहरुख लंबे समय बाद पठान के जरिए बड़े पर्दे पर वापसी करेंगे। इससे पहले वह 2018 में आई फिल्म जीरो में मुख्य भूमिका में दिखे थे। एक्शन फिल्म पठान अगले साल 25 जनवरी को सिनेमाघरों में आएगी। इसमें दीपिका पादुकोण और जॉन अब्राहम भी दिखेंगे।

रणवीर सिंह ने खत्म की सर्कस की शूटिंग

प्रमोशन के लिए मास्टर प्लान के दिए संकेत

बॉलीवुड स्टार रणवीर सिंह, जिन्होंने हाल ही में मोरक्को में चल रहे माराकेच अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में एटोइल डीओर (गोल्डन स्टार) पुरस्कार जीता, ने अपनी अगली फिल्म सर्कस के संबंध में एक अपडेट साझा किया, जिसमें वह निर्देशक रोहित शेट्टी के साथ काम कर रहे हैं।

अभिनेता ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम पर सर्कस के सेट से शेट्टी के साथ एक तस्वीर साझा की। इसमें अभिनेता वरुण शर्मा और दूसरे क्रु के अन्य सदस्य भी नजर आ रहे हैं। फिल्म में निर्देशक की अपनी भूमिका के अनुरूप रोहित को अपनी जेब में वॉकी टॉकी रखे हुए घास पर बैठे देखा जा सकता है।

रणवीर ने अपने कैप्शन में यह भी संकेत दिया कि मास्टर ऑफ मास ब्लॉकबस्टर्स (शेट्टी) के पास कुछ प्रमोशनल मास्टर प्लान हैं। रणवीर ने तस्वीर के साथ कैप्शन में लिखा, शूटिंग खत्म, प्रमोशन की प्लानिंग शुरू! मासटर फिल्ममेकर के मासटर प्लान्स।सर्कस में जॉनी लीवर और संजय मिश्रा सहित हिंदी सिनेमा के कॉमेडी सितारों का एक समूह भी शामिल है, दोनों ने पिछले 15 वर्षों से रोहित शेट्टी के साथ गोलमाल कॉमिक कविता में काम किया है। दर्शकों को सिनेमाघरों में वापस लाने के लिए इंडस्ट्री रणवीर की सर्कस और शाहरुख खान की पठान पर बैंकिंग कर रही है।

बिग बॉस 16 में होगी रिद्धिमा पंडित की एंट्री? अभिनेत्री ने कही यह बात

पिछले दिनों छोटे पर्दे के गलियारों में इस खबर ने खूब तूल पकड़ा कि अभिनेत्री रिद्धिमा पंडित रियलिटी शो बिग बॉस 16 में एंट्री ले रही हैं। प्रशंसक इस खबर से फूले नहीं समाए और सोशल मीडिया पर इसे लेकर खुशी जाहिर करने लगे। खबर आने लगी कि रिद्धिमा की एंट्री से घर में धमाल होने वाला है। अब आखिरकार खुद अभिनेत्री ने इस पर चुप्पी तोड़ दी है।

रिद्धिमा ने ट्वीट कर इन अफवहों का खंडन किया। उन्होंने लिखा, मैं बिग बॉस 16 का हिस्सा नहीं बनने वाली हूं। जल्द ही मैं अपने प्रशंसकों को एक नया सरप्राइज दूंगी। मैं क्या करने वाली हूं, आप अंदाजा लगाते रहें। बीते दिनों चर्चा थी कि रिद्धिमा बतौर वाइल्ड कंटेस्टेंट बिग बॉस 16 से जुड़ने वाली हैं। उनकी एंट्री शो में तय मानी जा रही थी, लेकिन रिद्धिमा ने इस खबर को खारिज कर दिया है।

रिद्धिमा पिछले साल बिग बॉस ओटीटी का हिस्सा रह चुकी हैं। इस शो के डिजिटल संस्करण को पिछले साल फिल्ममेकर करण जौहर ने होस्ट किया था। इसका प्रसारण वूट पर किया गया था। शुरुआत में रिद्धिमा शो की मजबूत प्रतिभागी बनकर उभरी थीं, लेकिन अचानक वह शो से बाहर निकल गई थीं। रिद्धिमा के अचानक बाहर जाने से उनके फैंस नाराज हो गए थे। फिर उनका नाम बिग बॉस 15 के लिए भी सामने आया था।

रिद्धिमा ने टीवी पर धारावाहिक बहू हमारी रजनीकांत से अपना एक्टिंग करियर शुरू किया था। इसी शो से वह लोगों के बीच लोकप्रिय हुई थीं। इसके बाद वह यो कि हुआ ब्रो, आई एम बिकॉज ऑफ अस, हैवान द मॉनस्टर जैसे शोज में भी दिखीं।

बिग बॉस 16 के घर में इस समय सिगरेट के चलते घमासान मचा हुआ है। कप्तान बनने से पहले साजिद खान खुल्लम-खुल्ला सिगरेट पीते दिखे थे, जिसके बाद बिग बॉस ने स्मोकिंग रूम को लॉक कर दिया था। स्मोकिंग रूम के बंद होते ही सितारे बिग बॉस से माफी मांगते नजर आए। दूसरी तरफ साजिद ने अर्चना गौतम पर निशाना साधना शुरू कर दिया है। शो के आने वाले एपिसोड में साजिद और अर्चना की जबरदस्त लड़ाई होने वाली है।

अब तक बिग बॉस 16 के घर से तीन प्रतिभागियों को बाहर का रास्ता दिखाया जा चुका है। इसमें श्रीजिता डे, मान्या सिंह और गोरी नागोरी का नाम शामिल है। बिग बॉस 16 का प्रसारण 1 अक्टूबर से शुरू हुआ था। शो में शिव ठाकरे, प्रियंका चहर चौधरी, अंकित गुप्ता, अर्चना गौतम, अब्दु रोजिक और सौंदर्या शर्मा के खेल की तारीफ हो रही है। बहरहाल, देखते हैं कि इस बार बिग बॉस के घर से कौन बेघर होता है। बिग बॉस 16 टीआरपी के मामले में आगे बढ़ता दिख रहा है। यह केबीसी 14 को पछाड़ तीसरे नंबर पर है। अर्चना गौतम के ट्विस्ट के बाद बिग बॉस 16 को लोग एकदम से पसंद करने लगे हैं। शो में दर्शकों की दिलचस्पी जागी है।